दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 92
मुरादाबाद
22 July 2025
(Tuesday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राज्यसभा से बिल ऑफ लैडिंग विधेयक 2025 पारित, लोकसभा की कार्यवाही के लिए स्थगित

संसद में मानसून सत्र की हंगामेदार शुरुआत हुई। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर चर्चा के लिए अड़ा है। वहीं सरकार का दावा है कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा और सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोकसभा कल तक के लिए स्थगित।राज्यसभा ने बिल ऑफ लैडिंग विधेयक 2025 पारित किया। इस विधेयक का उद्देश्य पुराने भारतीय माल लदान अधिनियम, 1856, जो एक पूर्व-संवैधानिक कानून था, को प्रतिस्थापित करके संबंधित प्रावधानों को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाना है।भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव नोटिस पर कहा, %यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए एक न्यायाधीश का आचरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हमने इस संबंध में अपना नोटिस दायर कर दिया है।जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में राज्यसभा के 63 सांसदों ने जस्टिस वर्मा को पद से हटाने का नोटिस दिया है। वहीं लोकसभा में भी जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया गया है, जिसे 145 सदस्यों ने समर्थन दिया है। सदस्यों ने संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत महाभियोग का प्रस्ताव दिया है।

विभिन्न पार्टियों के सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू जेडीएस, जन सेना पार्टी, शिवसेना, लोक जनशक्ति पार्टी, सीपीएम आदि के सांसद शामिल हैं। इन सांसदों में राहुल गांधी, अनुराग वर्मा, रवि शंकर प्रसाद, सुप्रिया सुले और केसी वेणुगोपाल का नाम शामिल है। AAP सांसद राघव चढ़ा ने संसद में विमान सुरक्षा से जुड़ा एक अहम मुद्दा उठाया। राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि %भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसका नियमन, दबाव के कारण कमजोर हो रहा है। छत्तष्ट में न तो पर्याप्त स्टाफ है, न पर्याप्त फंडिंग, और न ही वह स्वायत्तता जो उसके लिए जरूरी है। आज इसके 55त्न तकनीकी पद खाली हैं। जो पद खाली हैं, उनकी जिम्मेदारियों में- * विमान सुरक्षा निरीक्षण * पायलट लाइसेंस जारी करना * विमान रख-रखाव * विमान की उड़ान-योग्यता प्रमाणित करना जैसे काम शामिल हैं। यह केवल कमी नहीं है, यह एक संकट है। आसमान में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। DGC को SEBI ¥र TRAI की तरह स्वायत्त बनाना होगा, क्योंकि सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, एक आवश्यकता है।%सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हो गई है। हालांकि लोकसभा की कार्यवाही फिर से शाम 4 बजे तक स्थगित कर दी गई।तीन मनोनीत सदस्यों सहित पांच राज्यसभा सदस्यों ने सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। सदन ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और जून में अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में शहीद हुए लोगों को भी श्रद्धांजलि दी। राज्यसभा ने कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खरगे के साथ-साथ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राजीव शुक्ला और संगीता यादव को भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, बीरेंद्र प्रसाद वैश्य (अजपा) और कणाद पुरकायस्थ (भाजपा) ने शपथ ली। तीन मनोनीत सदस्यों मीनाक्षी जैन, सी सदानंदन मास्टर और हर्षवर्धन श्रृंगला ने भी शपथ ली। सदन ने हाल ही में दिवंगत हुए पूर्व सदस्यों को भी श्रद्धांजलि दी। सी. पेरुमल, के. कस्तूरीरंगन, रोनाल्ड सापा तलौ, नेपालदेव भट्टाचार्जी, सुखदेव सिंह ढींडसा, थेन्नाला जी. बालकृष्ण पिल्लई और विजयकुमार रूपानी के लिए मृत्युलेख संदर्भ दिए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

लोकतंत्र लगातार कटुता बर्दाश्त नहीं कर सकता, उपराष्ट्रपति बोले- राजनीतिक तनाव घटाने की जरूरत

राज्यसभा सभापति ने सभी राजनीतिक दलों से सौहार्द और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने और एक दूसरे के खिलाफ अभद्र भाषा या व्यक्तिगत हमलों से बचने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा, %आंतरिक लड़ाई हमारे दुश्मनों को मज़बूत बनाती है और हमें बांटती है।%राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि एक फलता-फूलता लोकतंत्र निरंतर कटुता के हालात बर्दाश्त नहीं कर सकता। उपराष्ट्रपति ने राजनीतिक पार्टियों से एक दूसरे पर सार्वजनिक तौर पर निजी हमले न करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि बातचीत और चर्चा ही संघर्ष के बिना आगे बढ़ने का रास्ता हैं।

उन्होंने राजनीतिक पार्टियों से तनाव घटाने और विकास की राजनीति करने की अपील की। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान ये बातें कही। उपराष्ट्रपति का यह बयान इस मायने में भी अहम है क्योंकि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान आदि जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांग रहा है और सदन में इन मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक फलता-फूलता लोकतंत्र लगातार कटुता बर्दाश्त नहीं कर सकता।

मैं विपक्ष का नेता, फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे, राहुल गांधी ने सरकार पर लगाया पक्षपात का आरोप

दरअसल, कार्यवाही शुरू होते ही संसद के दोनों सदनों में हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर पर तत्काल चर्चा की मांग के बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी।संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, %रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं, बोलना मेरा अधिकार है, मुद्दे उठाना मेरा काम है, लेकिन वे मुझे बोलने नहीं दे रहे।%सरकार एक नया तरीका अपना रही% उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक नया तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा, %प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन से चले गए। अगर वे अनुमति दें तो चर्चा हो सकती है, लेकिन मुद्दा यह है कि परंपरा कहती है कि अगर सरकार के नेताओं को बोलने की अनुमति है, तो हमें भी जगह दी जानी चाहिए। हम बोलना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई।% ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग पर हंगामा इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद सदस्यों को ऑपरेशन सिंदूर सहित सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं। प्रश्नकाल दिन का पहला घंटा होता है, जिसमें सदस्य विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित प्रश्न उठाते हैं।प्रश्नकाल के बाद सभी मुद्दे उठाने की अनुमति दूंगा% उन्होंने कहा, %मैं आपको प्रश्नकाल के बाद सभी मुद्दे उठाने की अनुमति दूंगा। सदन केवल नियमों के अनुसार ही चलेगा। इसमें नारेबाजी और तख्तियां लहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती।% बिरला ने कहा कि यदि सदस्य नोटिस देते हैं, तो वह उन्हें सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देंगे और प्रत्येक सांसद को पर्याप्त समय देंगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर खरगे ने पूछे कड़े सवाल तो नड्डा बोले- आजादी के बाद ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ

सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि %इस सदन के माध्यम से देश में ये संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं चाहते, हम चर्चा करेंगे और इस मुद्दे पर हर बात को सदन के पटल पर रखा जाएगा।%संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही और पहले ही दिन जमकर हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ऑपरशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रहा है। राज्यसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिस पर भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने भी जोरदार जवाब दिया।खरगे ने पहलगाम हमले के आरोपियों को लेकर पूछे कड़े सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राज्यसभा में सवाल उठाते हुए कहा कि %पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी अभी तक न पकड़े गए हैं और न ही मारे गए हैं। सभी पार्टियों ने एकजुट होकर सरकार को इस मुद्दे पर समर्थन दिया, ऐसे सरकार की तरफ से हमें पहलगाम हमले पर और उसके बाद के घटनाक्रम पर हमें जानकारी दी जानी चाहिए।

सरकार पर सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप

खरगे ने कहा कि %पहलगाम हमले में सरकार से सुरक्षा लापरवाही हुई और ये खुद एलजी ने स्वीकार किया है। साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी कई खुलासे किए। ऐसे में सरकार को हमें जानकारी दी जानी चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 24 बार कहा कि मेरी मध्यस्थता से समझौता हुआ, तब भारत-पाकिस्तान का संघर्ष थमा। ये देश के लिए अपमानजनक है कि एक बाहर का आदमी ऐसा दावा कर रहा है।

नड्डा बोले- आजादी के बाद नहीं हुआ ऐसा ऑपरेशन इस पर सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि इस सदन के माध्यम से देश में ये संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं चाहते, हम चर्चा करेंगे और इस मुद्दे पर हर बात को सदन के पटल पर रखा जाएगा। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि देश की आजादी के बाद देश में आज तक ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ, जैसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में हुआ। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए नोटिस दिया गया है और जो भी समय तय किया जाएगा, सरकार इस पर चर्चा करेगी और हर सवाल का जवाब दिया जाएगा।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व, मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री योगी ने 60 वर्षों से विस्थापन झेल रहे परिवारों को भूस्वामित्व देने का निर्देश दिया है। विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं। अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है।

संपादकीय Editorial

Cities in the coffin of filth

The cleanliness of the cities of Himachal Pradesh can be seen in the morning garbage collection, when the entire burden is carried by the labourers who have come on contract from other states on daily wages. The handkerchief of the municipal bodies is not visible on the rotten and leftover goods of the vegetable market. The society, which is fond of its taste on the boxes of fast food or food mart, throws it on the road, and the entire market becomes hell in the gathering of stray animals. Our pain is from our homes and our inability is from our system. Even though Himachal has elevated the municipal bodies to the politics of municipal corporations, but a dead system in the coffin of urbanization is pretending to wake up. If we look at the ranking of the Central Swachhta Survey 2025 in the act of waking up, then we will find the dead soul of the government settled in the state capital Shimla, the miracles of the parties and the roar of the bureaucracy. Shimla has slipped from 188th position to 347th in the list of clean cities at the national level, so why did we not stop while walking on the Mall Road of such a city. Has tourism made the capital dirty, has the increasing number of vehicles slowed it down? Whose face should we see in the picture of the capital that has fallen in cleanliness? It is surprising that the capital has become VIP or Shimla has become the Mecca of VIP personalities, but it is a matter of pity for the city's status that we have forgotten while being busy in the politics of the localities that in the prestige of the state, the stains of cleanliness will trample our existence too one day. By the way, to be happy, Shimla can be happy in the praise of the state's own standards that among the 66 urban bodies here, its number has come after Theog and Naidun. We are looking at urbanization as a problem, whereas in terms of the solution, the departmental status related to it is poor. Subathu Cantonment has improved in the survey, while in military areas like Dalhousie, Bakloh, Jatog, Dagshai and Kasauli, accountability and management is visible. If we look at the plight of Yol Camp, which was left out of the survey, we will understand how politics prefers hell for its own benefit. Yol, the most important and largest cantonment area of the state, has now been removed from it and made normal. That is, an urban system has been thrown into the dustbin of Panchayati Raj after decades because the civil society of Himachal also does not want to remain disciplined. The government can get a comparative study done to see why the Yol Camp of yesterday has become a heap of garbage today. Tomorrow, whenever the rest of the cantonment areas will be free, the distances of dirt will be closer. Of course, Theog has come on the top and Naidun on the second level on the state scale, but the question is that if our Swachhata Abhiyan is rated at the highest in these cities, then dirt in the rest of the towns is also a ranking. Perhaps if they hide behind some excuse or pretext, then one day the survey will prove their name too. To correct the mentality of urbanization in Himachal, under the TCP law and above politics, thinking will have to be done. Obviously, Rajesh Dharmani, who is in charge of the TCP department, is doing many original thinking and decisions. In this perspective, if regional plans for building construction are made, then new construction will not be just drawing, but the outline of development will also be determined according to future needs. The state which is providing clean air and water to North India with its environmental power and capability, if the standards of cleanliness are not being established in its own cities, then some new steps will have to be taken. From the point of view of garbage management, priority should be given to the construction of a system, process and infrastructure in the entire state.

Kanwar Yatra: The challenge of cultural infiltration in the tradition of devotion

In recent years, it has been observed that some so-called dhabas and restaurants, which misuse Hindu names or symbols and run under names like 'Shiv Dhaba', 'Ram Rasoi', 'Vaishnavi Bhojanalaya', in reality there is neither cleanliness nor satvikta and many times there is neither any devotion nor intention behind it. India is a country where faith, culture and Sanatan traditions are the heartbeat of life. Kanwar Yatra, a great tradition of devotion to Lord Shiva in the month of Sawan, is not just a religious ritual but a living expression of Sanatan Indian consciousness. But the way this holy journey has been targeted in the last few years has raised the question whether our religious identity and cultural heritage is being targeted by a well-planned mindset? Many incidents have come to light where elements with a jihadi mindset have been found hiding behind the identity of the so-called Kanwariyas. In recent years, it has been observed that some so-called dhabas and restaurants, which misuse Hindu names or symbols and operate under names like 'Shiv Dhaba', 'Ram Rasoi', 'Vaishnavi Bhojanalaya', in reality there is neither cleanliness nor sattvikta and many times there is neither any devotion nor intention behind it. This is not just a business fraud, it is a cultural attack where people's faith and belief are targeted through fake names. Kanwar Yatra: The unwavering flow of Sanatan tradition- Kanwar Yatra is mentioned in the Puranas as well as in modern society. This journey is done in the month of Shravan, when the holy water of Ganga is filled in Kanwar and offered in Shiva temples. The religious belief behind this is that Lord Shiva had held the poison Halahal in his throat, which came out during the churning of the ocean, due to which his heat increased, then he was pacified by anointing him with Ganga water. In this yatra, one can see the zeal of faith, discipline, dedication and spiritual unity, it is a reflection of the socio-cultural unity of India. Kanwar Yatra is not just a religious act, but it is the unwavering flow of Sanatan tradition, which has been flowing from generation to generation. This yatra gives us the message of religion, penance, restraint, tolerance and collective faith. But now this yatra is not just a journey of devotion, but has become a test of cultural existence. The most beautiful aspect of Kanwar Yatra is its collectivity. People from different states, languages and backgrounds connect with the same feeling. On the way, voluntary organizations do service work, arrange for food, rest and medical care. This yatra also strengthens the feeling of service, cooperation and dedication in the society. Planned infiltration and crisis of identity- Recently, many such cases have come to light from North India, Uttarakhand, Bihar and Delhi, where evidence has been found of Jihadi elements hiding their identity and participating in the Kanwar Yatra. These people mingle with the devotees of Lord Shiva wearing saffron clothes and applying sandalwood on their foreheads and then either harass women or plan to spread violence. Some Jihadi organisations circulated hate posts, videos and fake news on social media against the Kanwar Yatra. In many cities, stone pelting has even taken place on the Kanwar Yatra routes, in which Jihadi elements were found to be involved. A few days ago, a large amount of glass pieces were found on a lane reserved for Kanwar pilgrims on the Shahdara flyover in Delhi. The crisis looming over the Kanwar Yatra is not only external. The so-called 'secular' and leftist politics within the country is also engaged in making this Yatra suspicious and controversial. Such political parties never condemn the attacks on Kanwariyas, rather if police security is increased, they criticise it by calling it 'majority appeasement'. If people of a particular class have the right to halal food, then do Sanatanis not have the right to pure and satvik food? If a Hindu deliberately hides his identity and serves forbidden food to the Muslim community during Ramzan, will it increase communal harmony? No, it will only increase communal tension. Today, during the Kanwar Yatra, some people with a Jihadi mindset want to increase communal tension by converting Sanatanis by hiding their identity. Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav is today fuelling this intention of increasing communal tension by taking a dig at the government's efforts and arrangements. It is clear from Akhilesh Yadav's statements that he neither understands faith nor has any experience of systems. Another senior SP leader and MP S.T. Hasan has directly attacked India's Sanatan tolerant culture by comparing Kanwariyas to terrorists. On the other hand, Congress leader Digvijay Singh has once again followed his old tradition and raised questions on Hindu faith and tradition. He believes that 'hatred spreads from Kanwar Yatra'. This statement of Digvijay Singh is a mere political polarisation strategy. Whenever the Congress is helpless, it starts fuelling the politics of Muslim appeasement by attacking Hindu symbols. The thinking behind this statement is part of a wider discourse where every Hindu symbol, every religious event is viewed with suspicion. This same thinking sometimes calls the slogan of Jai Shri Ram a provocative slogan, sometimes calls the saffron flag a symbol of hatred, and now presents Kanwariyas as terrorists. From the freedom struggle to nation building, Indian religion and culture have organised people. The saffron flag and slogans like 'Bol Bam' unite the country, they do not divide it. Linking these symbols with terrorism is an insult to the crores of citizens who practice their religion peacefully. If Kanwar Yatra is terrorism, then what is the soul of India? Then look at every religious event with suspicion. This direction takes the country nowhere but only towards polarization, intolerance and disintegration. Those who consider India's religious tolerance as a weakness must understand that Sanatan culture may be tolerant, but it is now vigilant too. The cheating that is being done to the devotees under the guise of 'fake name' in a sacred tradition like Kanwar Yatra is not just commercial dishonesty, it is a cultural crime. Kanwar Yatra is a shining reflection of our Sanatan tradition. It is the duty of all of us to stop the tendencies of using it for political, communal or fanatical purposes. Purity can be protected not only with external surveillance, but with inner awareness, harmony and truth. Religious pilgrimages should become a medium of coordination, not division, this is the soul of Indian culture.

SIA controversy becomes a bone in the throat of the government, FIR recommended against two senior officers

There is a lot of commotion in the political and administrative corridors of Madhya Pradesh these days. State Environment Impact Assessment Authority Chairman Shivnarayan Chauhan has created a sensation by recommending FIR against two senior IAS officers of the state government, Principal Secretary Navneet Kothari and EPCO Director Uma Maheshwari. The chairman of an authority controlled by the Madhya Pradesh government has recommended FIR against two IAS officers who are part of the government itself. This is the first case in the history of Madhya Pradesh and possibly the country. The more the delay in solving this case on the issue of corruption, the more the government is getting criticized. The interesting fact is that the Chairman of State Environment Impact Assessment Authority (SIA), Shivnarayan Chauhan, who recommended the FIR, has himself been an IAS officer, who joined the BJP after retirement. Not only this, his name was much discussed as a BJP candidate from an assembly constituency in Rajgarh district (although he did not get the ticket). It is well known that he got his current post because he is a member of BJP. In a letter written to the Chief Secretary, he has alleged that corruption is taking place in the environmental clearance process and the culprits for this are the Principal Secretary of the Environment Department Navneet Kothari and Director of Environment Planning and Coordination Organization Uma Maheshwari. The government was further embarrassed in this matter when after raising this matter, Chauhan found his office locked. The staff told that the lock was put on the orders of Principal Secretary Navneet Mohan Kothari. Later Kothari clarified that this was done due to short circuit in electricity. Chief Minister Dr. Mohan Yadav is currently on a foreign tour. All eyes are on him as to how he resolves this matter as soon as he returns? The influence of the "Scindia faction" is not the same as before - Jyotiraditya Scindia has been included in the 42 members of the National Working Council of BJP. No other supporter of his was seen in this list. In the Mohan Cabinet also, only three MLAs of the Scindia camp are ministers. There is a discussion in the political corridors that the high command is now giving preference to the organization and local leadership, while limiting Scindia to the post of 'Union Minister'. It can be said that the influence of the "Scindia faction" in Madhya Pradesh politics is no longer the same as before.Minister's birthday and the conduct of civil servants! Something happened on the birthday of State Minister Narayan Singh Pawar in Rajgarh district of Madhya Pradesh, which has raised questions on the impartiality of bureaucracy and administrative dignity. According to the information, the District Collector and Superintendent of Police themselves reached the Minister's office and the Collector-SP celebrated his birthday by feeding cake to the Minister and getting photographs taken amid the applause of Happy Birthday. All this happened in "government time" and "personal office of the Minister". The pictures and videos of this incident are going viral on social media. There is a discussion in the administrative corridors about this birthday that was this conduct of the Collector-SP under the conduct manual made for civil servants? Is it in accordance with the All India Service Conduct Rules, constitutional role and the spirit of democracy for IAS and IPS officers to celebrate the birthday of a minister or politician in their office? The monsoon session of Parliament will be tumultuous The monsoon session of Parliament, which begins on July 21 in Delhi, is going to be tumultuous. The Congress and the opposition have geared up to raise issues such as the special revision of the voter list in Bihar and the statement made by US President Donald Trump in May on the ceasefire between India and Pakistan. The government side is also ready to face the situation. The next seven days will also be very busy politically. IAS Vivek Agarwal and the Prime Minister's parliamentary constituency Varanasi The importance of Vivek Agarwal, a 1994 batch Madhya Pradesh cadre officer in the Indian Administrative Service, is increasing in the eyes of Prime Minister Narendra Modi. This was seen when Vivek Agarwal chaired an interstate meeting held in the PM's parliamentary constituency Varanasi. This meeting was focused on making Varanasi as clean and tidy as Indore. In this, the collector and corporation commissioner of Indore gave detailed information to the Varanasi officials on the cleanliness model of Indore. The meeting of officials from Varanasi and Indore was chaired by Union Culture Secretary Vivek Agarwal. Agarwal was the collector of Indore 20 years ago. It is believed that the Prime Minister has given the responsibility of making Varanasi a clean and tidy city to Vivek Agarwal.

जनप्रतिनिधियों के निशाने पर रहे बिजली विभाग के अधिकारी

मुरादाबाद- सर्किट हाउस सभागार में नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की समीक्षा बैठक में जनप्रतिनिधियों के निशाने पर बिजली विभाग के अधिकारी रहे। साथ ही मंडलायुक्त ने भी अधिकारियों व कर्मचारियों के व्यवहार की निंदा की। ऊर्जा मंत्री ने सर्किट हाउस में बिजली विभाग की समीक्षा बैठक में जन प्रतिनिधियों व उद्यमियों से बिजली आपूर्ति की जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों ने विभाग के कार्यशैली को बेनकाब किया। सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने कहा वह बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यशैली व व्यवहार से दुखी हैं, कई बार फोन करने पर भी रिसीव नहीं किया जाता है।वहीं कुंदरकी के विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और क्षेत्र की समस्याएं बताईं। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का रवैया खराब है। कांठ के पूर्व विधायक राजेश सिंह ने कहा कि 25 गांवों को लंबे समय से सिंगल फेज की लाइट मिल रही है। अन्य जन प्रतिनिधियों ने भी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपभोक्ता व जन प्रतिनिधियों के साथ व्यवहार की शिकायत मंत्री से की। जिस पर तमतमाए मंत्री ने दो टूक चेतावनी दी कि विभाग के अधिकारी कर्मचारी सुधर जाएं अन्यथा कार्रवाई तय है।

मंडलायुक्त ने बताया कि शनिवार रात 12 बजे उनके पास उपभोक्ता का फोन आया, उसके मोहल्ले में तीन घंटे से बिजली नहीं आ रही थी, बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन करने के सवाल पर जवाब दिया कि एक नहीं कई बार फोन किया लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। इसलिए आप को फोन किया है। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वह उपभोक्ताओं व जन प्रतिनिधियों के द्वारा सीयूजी नंबर पर किए फोन को अवश्य उठाएं। आगे से ऐसी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। नहीं तो सुधरने का अवसर भी नहीं मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमृत सरोवर में नहाने गए 48 वर्षीय व्यक्ति की तालाब में डूबकर मौत परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव समदा चतुर्भुज में रविवार की शाम को बूढ़े बाबा मनोकामना मंदिर के पास बने अमृत सरोवर में गर्मी की वजह से कपड़े उतार कर नहाने गये व्यक्ति की गहरे गड्ढे में जाने से पानी में डूब कर उसकी मौत हो गइ

ं सोमवार की सुबह मंदिर पर प्रसाद चढ़ाने आये श्रद्धालुओं ने अमृतसरोवर के तालाब में शव को तैरते हुए देखा इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी पुलिस ने घटना स्थल पर पहुँच कर ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला ग्रामीणों ने शव की पहचान हरिद्वारी उर्फ राजेश पुत्र भूरे सिंह निवासी डकारी थाना कोतवाली जिला संभल के रूप में की ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अपने बहनोई विजेंद्र सिंह पुत्र सुखी सिंह एंव दामाद अतुल निवासी समदा चतर्भुज चौकी मानपुर थाना भगतपुर के यहां एक सप्ताह से मेहमानदारी कर रहा था सूचना पाकर विधि विज्ञान टीम भी मौके पर पहुंची और जानकारी एकत्र की पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है,इस संबंध में थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अभी तक परिजनों की तरफ से कोई तहरी नहीं मिली है द्य

अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, कई घटनाओं का खुलासा

पुलिस ने 100 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर पकड़े आरोपी

मुरादाबाद- मझोला थाना पुलिस ने तीन चोरी की वारदात का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो एलईडी, दो बैटरी, तीन जोड़ी सफेद धातु पाजेब, दो देसी शराब की पेटी (जिसमें कुल 90 पव्वे), पांच हजार रुपये नकद और घटना को अंजाम देने में इस्तेमाल कार बरामद की। वारदात का खुलासा करने में पुलिस ने 100 कैमरों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। रविवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने पुलिस लाइन में बताया कि थाना मझोला पुलिस ने आरोपी शिवम निवासी हनुमान नगर लाइनपार, रवि कुमार निवासी ग्राम गदरपुर बिसोब बदायूं, राहुल निवासी भोला वेल्डिंग वाली गली मोहल्ला मानपुर नारायणपुर रामतलैया मझोला, नफीस निवासी ब्लाक 128 त्रिलोकपुरी थाना फेस एक मयूर विहार दिल्ली को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि चोरों ने चोरी करने के लिए हाईटेक तरीका अपनाया था। कार में सभी एकसाथ घूमते थे। जिससे किसी को शक भी न हो। जिस घर में ताला लगा होता था। उस घर में चोरी फाइनल हो जाती थी। इसी तरह यह 12-13 जुलाई की रात कार से नया मुरादाबाद के सेक्टर 16 के मकान का ताला तोड़कर घर में घुस गए। यहां इन्होंने दो बैटरे, एक एलईडी, एक प्रिंटर, एक डीवीआर चोरी की। प्रिंटर चलते-फिरते कबाड़ी को कम दाम में बेच दिया। प्रिंटर बेचकर जो रुपये मिले वह आपस में बांट लिए। उस चोरी में से बैटरे, एलईडी बची थी। जिसे कार में रख लिया। अगले दिन फिर नया मुरादाबाद के सेक्टर 13 के एक मकान का ताला तोड़कर घर से दो टीवी, तीन जोड़ी पाजेब चोरी करके निकल गए। बाद में सिरकाई भूड़ कांशीराम नगर स्थित देसी शराब के ठेके का ताला तोड़ दिया। यहां से देसी शराब की 25 पेटी व 7-8 हजार रुपये चोरी किये। जिसमें दो पेटी देशी शराब बची थी। बाकी शराब पी ली। दोस्त और अन्य को भी चोरी की शराब पिला दी। आने-जाने वालों को भी कम दाम में शराब बेच दी। चोरी के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किये। लगभग 100 कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद आरोपियों को पकड़ा जा सका। बताया कि उनके गिरोह के बाकी अन्य सदस्य भी हैं। जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। एसपी सिटी ने बताया कि बाकी अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा

मुरादाबाद में आस्था की तस्वीरें: सड़कों पर कांवड़ियों का हुजूम, जलाभिषेक साथ मंदिरों में गूंजा हर-हर महादेव

मुरादाबाद- सावन के दूसरे सोमवार को मुरादाबाद में तड़के से ही शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह चार बजे से शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े होकर जलाभिषेक करते नजर आए। बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। मुरादाबाद में सावन के दूसरे सोमवार को तड़के से ही श्रद्धा और भक्ति का माहौल दिखने लगा। सुबह चार बजे से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जगह-जगह कांवड़ियों और शिवभक्तों के स्वागत के लिए शिविर भी लगे रहे। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।डाक कांवड़ियों का सैलाब - हरिद्वार और ब्रज जाने वाले कांवड़ियों की संख्या शहर के विभिन्न सड़कों पर बढ़ गई है। दिल्ली और कांठ रोड पर पैदल कांवड़ के बाद अब डाक कांवड़ियों का सैलाब दिखाई दे रहा है। अगले पांच दिनों तक दिल्ली और कांठ रोड शिवभक्तों से गुलजार रहेगा। वहीं, कुछ शिवभक्त गंगाजल लेकर मंदिरों की ओर बढ़ने लगे। सावन माह में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त विभिन्न प्रकार के झांकी के साथ गंगाजल लेने जा रहे हैं।रविवार को एक विशाल शिव कांवड़ ने शिवभक्तों और राहगीरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसकी सजावट की गई थी। कांवड़ यात्रियों ने इसे विशेष रूप से तैयार किया था। इस कांवड़ को फूलों, झालरों और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया था। कांवड़ को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का सड़क पर जमावड़ा लगा रहा।हरिद्वार से गंगाजल लेकर आए कांवड़िये डांस करते हुए रेलवे रोड से बरेली जा रहे थे। इस दौरान कांवड़ियों ने हर-हर महादेव का जयकार भी लगाया। सड़कों पर सबसे अधिक डाक कांवड़ का सैलाब रहा है।कांवड़ यात्रा को लेकर महिलाओं और बच्चों में उत्साह-कांवड़ यात्रा को लेकर महिलाओं और बच्चों में भी उत्साह है। रीमा शर्मा, कुसुम दिवाकर अपने बच्चों के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांठ रोड होते हुए रामपुर जा रही थी। रीमा शर्मा ने बताया कि यह हमारी पहली कांवड़ है। शुक्रवार को गंगाजल लेने हरिद्वार बच्चों के साथ गई थी। वह सोमवार को रामपुर में भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करेंगे।भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 101 लीटर ला रहे गंगाजल बजरंग दल के कार्यकर्ता वंश और तनिष्क बिंद्रा ने हरिद्वार से 101 लीटर गंगाजल लेकर आए। उन्होंने बताया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 101 लीटर गंगाजल भगवान शिव को समर्पित करेंगे। वह शनिवार को गंगाजल लेने गए थे और रविवार को जल लेकर आ गए। वहीं, लाइनपार के रहने वाले अरविंद ने भी 101 लीटर गंगा जल हरिद्वार से लेकर आए।कांवड़ियों के ऊपर पुलिस ने बरसाए फूल- ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को मुरादाबाद बस अड्डे पर फूल बरसाकर कांवड़ियों का स्वागत किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने कांवड़ियों को भोजन का प्रसाद बांटा। कांवड़ियों ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस जिले में हर स्तर पर न केवल यातायात नियंत्रण, सुरक्षा और निगरानी में जुटी है, बल्कि श्रद्धालुओं के स्वागत में समर्पित भाव से काम कर रही है।मंदिरों में जलाभिषेक के लिए तैयारियां पूरी -शहर के मंदिरों में सावन के दूसरे सोमवार को शिव को जलाभिषेक किया गया। श्री महाकालेश्वर धाम मंदिर नया मुरादाबाद, मनोकामना श्री हनुमान मंदिर रेलवे कॉलोनी, प्राचीन शिव मंदिर झांझनपुर, ऋणमुक्तेश्वर मंदिर मझोला, श्री शिव हरि मंदिर रामगंगा विहार, राधा कृष्ण मंदिर सिविल लाइंस और माता मंदिर लाइनपार में भारी संख्या में सोमवार को श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। सुबह चार बजे मंदिरों के कपाट खुल गए थे। भगवा रंग से सजा बाजार- ऑपरेशन सिंदूर की झलक अब आपको शिव भक्तों के परिधान पर भी दिखेगी। सावन में कावंड़ियों के लिए बाजार खास अंदाज में सजा है। भगवा रंग के कपड़ों पर शिव के विभिन्न रूपों को चित्रण किया गया है। कांवड़ियों के लिए कपड़ों के अलावा घुंघरू, आर्टिफिशियल जटाएं, रबड़ के सांप, पीतल के त्रिशूल आदी खूब बिक रहे हैं।बाजार में भगवा रंग के कपड़ों की जबरदस्त मांग है। खासकर ऑपरेशन सिंदूर प्रिंट टी-शर्ट एक नया ट्रेंड बन गई है। वहीं भगवा टी-शर्ट पर भगवान शिव के अलग-अलग रूप हैं। कई टी-शर्टों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी की फोटो छपी है।गुरहट्टी, गंज बाजार, कटरा, लाइनपार, टाउनहॉल के अलावा कई स्थानीय बाजारों में इनकी मांग है। टी-शर्ट की कीमत 100 से 250 रुपये हैं। कपड़ों पर हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय और शिव-भोले लिखे होने के साथ-साथ महादेव और शिव परिवार का डिजिटल प्रिंट भी है।साथ ही भगवा रंग के पटके और रुद्राक्ष की मालाओं की खूब मांग हैं। दुकानों में पुरुषों के लिए भगवा कुर्ते, धोती और गमछे भी उपलब्ध हैं। वहीं महिलाओं के लिए हर-हर महादेव के दुपट्टे, शॉर्ट कुर्ते और टी-शर्ट खास आकर्षण बने हुए हैं। यह 100 रुपये से 350 रुपये की कीमत में मिल रहे हैं।राहगीरों को खिलाया भोजन दिल्ली रोड स्थित मिलन विहार के सामने अमरनाथ समिति के भंडारा लगाया। भंडारे में बाबा अमरनाथ का शिवलिंग आकर्षण का केंद्र बना। भंडारे की शुरुआत वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल अग्रवाल ने पूजा कर किया। इसके बाद समिति के सदस्यों ने राहगीरों को भोजन कराया। समिति के अध्यक्ष के के अग्रवाल ने अतिथियों को भगवा, पटका पहनाकर व शिव प्रतिमा देकर सम्मानित किया। इस मौके पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अंजली सिंह, एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह, एंटी रोमियो स्क्वाड की इंचार्ज चंद्रप्रभा गौतम, कोतवाल मुरादाबाद सुनीता दहिया, सचिन जैन और राजेश कुमार आदि मौजूद रहे। शिव भक्तों की सेवा में जुटीं संस्थाएं.कों पर हर-हर, बम-बम की गूंज सुनाई दे रही है। रविवार को सामाजिक और अन्य संगठनों की ओर से शिविर लगाकर कावंड़ियों की सेवा की गई। दिल्ली और कांठ रोड पर कई जगहों पर कांवड़ियों के लिए शिविर लगाया गया है। दिल्ली रोड स्थित मिलन विहार के सामने अमरनाथ समिति के सदस्यों ने कावंड़ियों की सेवा के लिए भंडारे का आयोजन किया।पदाधिकारियों ने बताया कि यह पांचवां विशाल भंडारा है। यह भंडारा शिव भक्तों की सेवा करने के लिए लगाया गया है। यहां पर हजारों की संख्या में कावंड़ियों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, यप परिवार की ओर से साईं मंदिर रोड पर कावंड़ियों के लिए अल्पाहार का प्रबंध किया गया। इसमें कावंड़ियों के साथ-साथ राहगीरों ने भोजन ग्रहण किया। इस दौरान नेहा मेहरोत्रा, संजना भटनागर, पूनम गुप्ता, अवनीत, प्रियंका सिंह, प्रतिमा, प्रिया आदि मौजूद रहीं। रुद्राभिषेक में जुटे श्रद्धालु रुद्राभिषेक आयोजन समिति मुरादाबाद के तत्वावधान में रविवार को राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित सामूहिक रूद्राभिषेक में भगवान शिव को 251 जोड़ों ने अभिषेक किया। श्री वेंकटेश्वर पीठाधीश्वर स्वामी देवनारायणाचार्य के नेतृत्व में मंत्र उच्चारण किया गया। उन्होंने हरिद्वार से मंगाए गए गंगा जल और दूध, दही, शहद, घी, शक्कर से भगवान शिव का अभिषेक कियाइस दौरान सभी ने ओम नमः शिवाय का जाप किया। इसके बाद महादेव को बेलपत्र, धतूरा, फूल-माला, शम्मी पत्र, कनेर, पुष्प, फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। इसके साथ ही सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यक्रम का समापन महाआरती के साथ की गई। सामूहिक रूद्राभिषेक मुख्य यजमान आरती ठाकुर एवं मुनीश ठाकुर ने किया।10 जोन और 24 सेक्टरों में बांटा गया शहर- सावन माह के दूसरे सोमवार और शिवरात्रि को लेकर पुलिस अलर्ट हो गई है। कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए है। रविवार की रात एसएसपी सतपाल अंतिल ने कांवड मार्ग का भ्रमण किया और सुरक्षा का जायजा लिया। सुरक्षा के मद्देनजर जिले को 10 जोन और 24 सेक्टर में बांट कर एक हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आरएएफ की एक कंपनी और पीएसी जवानों की दो कंपनी व एक प्लाटून को भी लगाया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीटीआर के हाथ से निकली अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की मेजबानी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ के सर्च आपरेशन का असर अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस (Global Tiger Day), आयोजन पर पड़ा है। अब यह आयोजन बिजनौर के अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व में होगा, जिससे पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की तैयारियों को झटका लगा है। दरअसल हर साल 29 जुलाई को इंटरनेशनल टाइगर डे मनाया जाता है, ताकि लोगों में बाघों के संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाई जा सके। इस मौके पर सभी टाइगर रिजर्व अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रम करते हैं, लेकिन हर साल एक जगह राज्य स्तरीय भव्य आयोजन भी होता है। इस बार इस भव्य आयोजन की जिम्मेदारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व को सौंपी गई थी। शासन

से निर्देश मिलते ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व प्रशासन ने कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी,कार्यक्रम स्थल, मेहमानों की सूची, चर्चा के मुद्दे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाने लगी। इस दिन बाघों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा, टाइगर कॉरिडोर, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी गंभीर समस्याओं पर चर्चा होती।

कार्यक्रमों की फेहरिस्त तैयार हो गई थी। ताकि आयोजन का सिलसिला कर आने वाले अतिथियों को प्रभावित किया जा सके। आगामी 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर होने वाले आयोजन के लिए तराई में बंगाली, पूर्वांचल और सिख संस्कृति की सभ्यता वाले क्षेत्रों में लोगों से संपर्क किया जा चुका था।यही नहीं कार्यक्रम स्थल को लेकर शहर के एक बड़े रिजॉर्ट, प्रेक्षा गृह समेत एक अन्य करीब तीन स्थलों का दौरा किया गया था। इसमें स्थान को लेकर अंतिम सहमति बननी थी। पर ऐन वक्त पर मडरिया, फुलहर और सैजना समेत अन्य गांवों में बाघ के हमले और घटनाएं बढ़ने से कार्यक्रम पर संकट के बादल छाने लगे। सर्च आपरेशन का अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा असर पीलीभीत टाइगर रिजर्व की विशिष्ट पहचान पर पड़ा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाघ का आयोजन अब पीटीआर के बजाए बिजनौर के अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व में होगा।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत सावन माह के दूसरे सोमवार को लेकर मंदिरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आज सुबह से ही बम-बम भोले के जयघोष गूंजने लगे। कांवड़ियों ने गंगा समेत अन्य पवित्र नदियों के जल से भोलेबाबा का जलाभिषेक किया । इसको लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन ने भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

सावन के दुसरे सोमवार पर शहर से लेकर कस्बों और गांवों तक के शिव मंदिरों में हर हर महादेव के जयकारे गूंजे। भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए सुबह से ही भक्तों की कतार लगी। कांवड़ियों ने गंगाजल से

भोलेनाथ का अभिषेक किया। शहर के प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में सुबह छह बजे से ही भक्तों की भीड़ जमा होने लगी थी। मंदिर गेट तक लाइन लग गई। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। बदायूं के कछला घाट से गंगा जल लेकर आए कांवड़ियों ने भोलेबाबा का जलाभिषेक किया। सावन के दूसरे सोमवार पर शहर के गौरीशंकर मंदिर समेत शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ने को लेकर पुलिस प्रशासन और मंदिर कमेटियों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। रविवार शाम से ही कांवड़ मार्ग समेत सभी प्रमुख शिव मंदिरों में सुरक्षा के लिहाज से ड्यूटियां लगा दी गई हैं।

मंदिर परिसर में बैरीकेडिंग के अलावा जगह-जगह बैरियर लगवाए गए हैं। ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कांवड़ियों के प्रत्येक जत्थे के साथ पुलिस रहेगी। शहर के गौरीशंकर मंदिर, अर्द्धनारीश्वर मंदिर, दूधिया महादेव समेत सभी शिव मंदिरों में सावन के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने को अधिक संख्या में शिवभक्त पहुंचें। होगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

थाने में रील बनाने वाला आरोपी हवालात से लंगड़ाते हुए निकला बाहर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस हिरासत के दौरान थाने में रील बनाने और उसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के

आरोपी फतेहगंज पश्चिमी के मोहल्ला सराय वार्ड नंबर 15 निवासी इरिश खान उर्फ बाबा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। रविवार को वह हवालाते से लंगड़ाते हुए निकला। उसने कान पकड़कर माफी मांगी। कहा कि अब ऐसी गलती कभी नहीं करूंगा। इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि आरोपी इरिश खान सब्जी की दुकान चलाता है। आर्म्स एक्ट में वह पहले भी जेल जा चुका है। शुक्रवार को इरिश खान और प्रेम गुप्ता को बीएनएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया था। इस दौरान प्रभु गुप्ता ने अपने घर बात कराने का अनुरोध करते हुए मोबाइल फोन मांगा।

पत्नी की जगह ब्लॉक प्रमुख बताकर पति ने फोटो लगाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। क्यारा ब्लॉक प्रमुख रजनी चौहान के पति ने खुद को ब्लॉक प्रमुख बताते हुए क्षेत्र में होर्डिंग में अपना फोटो लगवा दिया। होर्डिंग का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए तो उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस से गड़बड़ी होने की बात कही। बदायूं मार्ग पर लगे होर्डिंग में अरविंद चौहान को

क्यारा का ब्लॉक प्रमुख दर्शाया गया है, जबकि वास्तव में उनकी पत्नी रजनी चौहान ब्लॉक प्रमुख हैं। लोगों ने इसका फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस पर लोग टिप्पणी करने लगे। इस प्रकरण पर अरविंद चौहान ने बताया कि वह शहर से बाहर हैं। प्रिंटिंग प्रेस को पत्नी और अपने फोटो, जानकारियां भेजकर श्रावण मास और रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहारों पर शुभकामना संदेश का होर्डिंग्स बनाने के लिए कहा था। अपनी सफाई में कहा कि इसे लगाने की जिम्मेदारी भी प्रिंटिंग प्रेस की ही थी। जानकारी के अभाव में उसने मेरी फोटो के नीचे ब्लॉक प्रमुख पति के बजाय ब्लॉक प्रमुख लिख दिया। जानकारी मिलने पर उसे कॉल कर तत्काल सभी होर्डिंग हटवाकर सही जानकारी के साथ दूसरा होर्डिंग लगाने के लिए कहा है।

साइकिल टच होने से भड़के कांवड़ियों ने युवक के फाड़े कपड़े, भागकर बचाई जान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सावन के दूसरे सोमवार पर कांवड़ियों में उत्साह है। मगर अलग-अलग जगह विवाद का सिलसिला भी जारी है। सोमवार को पीलीभीत बायपास रोड पर कांवड़ियों का साइकिल सवार युवक से विवाद हो गया। कांवड़ियों ने युवक के कपड़े तक फाड़ दिए। उसने एक बाइक एजेंसी के शोरूम में घुसकर अपनी जान बचाई। सोशल मीडिया पर कांवड़ियों के हंगामे का वीडियो भी वायरल हो रहा है। सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे बांके बिहारी हीरो एजेंसी के पास पीलीभीत बायपास रोड पर कांवड़ियों का जत्था निकल रहा था। इस दौरान पास से गुजर रहे साइकिल सवार रंजीत पुत्र सतपाल निवासी जोगी नवादा थाना बारादरी की साइकिल से कांवड़ टच हो गई। इसी बात को लेकर के दोनों में जमकर बहस हुई। देखते ही देखते कांवड़िया रंजीत पर हमलावर हो गए। जिसमें उसकी टी शर्ट भी फट गई। रंजीत ने पास में ही मौजूद बाइक एजेंसी में घुसकर अपनी जान बचाई। एजेंसी पर मौजूद लोगों व हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने बीच बचाव कराकर मामला शांत कराया। जिसके बाद कांवड़िए अपने आगे के लिए रवाना हुए। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में किसी प्रकार की लिखित या मौखिक तहरीर नहीं मिली है।

जिलाधिकारी व एसएसपी ने धोपेश्वरनाथ मंदिर में एक साथ किया जलाभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली- सावन के पवित्र माह के दूसरे सोमवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के साथ धोपेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि काँवड़ियों का जत्था पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ कछला, हरिद्वार से जल लाकर भोलेनाथ को अर्पित करते है। उन्होने कहा कि कावड़ियों को मार्ग में किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा जगह जगह पर विश्राम गृह बनाये गये हैं वहां पर प्रत्येक रविवार तथा सोमवार को लगातार भंडारे चल रहे हैं, तथा कांवड़ियों के जत्थे को वहीं पर उपचार मिल सके इसके लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प भी लगाये गये हैं व पुलिस सहायता केंद्र भी खोले गए है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि बरेली को नाथनगरी के नाम से भी जाना जाता है। बरेली जनपद में जितने भी नाथ मन्दिर हैं वहां पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था की गयी है। उन्होने बताया कि इस बार महिलाओं की संख्या कांवड़ियों में अधिक होने के

कारण पुलिस प्रशासन द्वारा हर मन्दिरों में अलग से महिला हैल्प डैस्क की स्थापना भी की गयी है सभी मन्दिरों में ड्रोन कैमरे के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिला अधिकारी ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप पौधों को सभी को भेंट किए।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने भमौरा थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा बनाए गये कांवड़ सहायता पुलिस चौकी का निरीक्षण किया सभी को यह निर्देश भी दिये गये कि जो भी कांवड़ियों का जत्था यहां से गुजरे उसकी रजिस्टर में एण्ट्री अवश्य की जाये। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि वहां पर कैमरे नही लगे हुए है जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र कैमरे लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो भी पुलिस कर्मी यहां पर बैठे उसके चाय-पानी की पूर्ण व्यवस्था की जाये। जिला अधिकारी व एसएसपी द्वारा ग्राम नितोई व रामगंगा में प्रशासन द्वारा आयोजित भंडारो में कांवड़ियों को प्रसाद वितरण कर और कांवड़ियों को पुष्प माला पहनाकर पुष्प वर्षा कर उन्हे आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, अपर जिलधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व बड़ी संख्या में कांवड़ियां व शिव भक्तगण उपस्थित रहे।

सावन का दूसरा सोमवार : बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठी नाथ नगरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नाथ नगरी में सावन के दूसरे सोमवार की झलक बीते दिवस से ही शहर की सड़कों पर दिखी। दिनभर शहर में बम-बम की प्रतिध्वनि गूंजती रही। अलखनाथ मंदिर में आधी रात के बाद से ही जलाभिषेक शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव जयघोष के साथ शिवार्चन किया। सोमवार को तड़के चार बजे ही शिवालयों में भक्तों की लंबी कतार लग गई। इससे पहले कालाबाड़ी, पुराना शहर, सीबीगंज, किला, पीलीभीत रोड समेत अन्य जगह से नाचते-गाते कांवड़ियों के जत्थे गंगाजल लेने कछला के लिए रवाना होते रहे। उनकी टोली में शामिल भगवान शिव की 10 फुट ऊंची मूर्ति सहित अन्य झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं, शनिवार को कछला के लिए रवाना हुए जत्थे गंगाजल लेकर रविवार शाम व रात को शहर लौटे। जोगी नवादा में कंबडियो का जत्था रविवार को जल लेकर लौटा। मेला संयोजक गिरधारी लाल

जलाभिषेक को मंदिरों में लगी भक्तों की लम्बी कतार

कांवड़िये, हुई पुष्पवर्षा कैंट से 30 कांवड़ियों का जत्था रविवार को गढमुक्तेश्वर के लिए रवाना हुआ। सद्भाव समाज सेवा समिति की ओर से शिवभक्तों को फूल माला पहनाई गई। इस दौरान सुनील सक्सेना, महेंद्र राठौर, मनोज पांडेय, प्रवेश कुमार, आरएस शर्मा, स्वदेश कन्नौजिया आदि मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने की कांवड़ियों की सेवा पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर से गुजर रहे कांवड़ियों को भोजन कराया। जल और शरबत पिलाकर सेवा की। बदायूं रोड पर लगाए गए शिविर में कांवड़ियों का स्वागत किया गया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने शिवभक्तों को फल, शीतल पेय आदि वितरित किए। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आंवला के ग्राम नितोई में कांवड़ियों को प्रसाद ग्रहण कराया ।

साहू, समिति के संरक्षक धर्मेंद्र राठौर रिंकू, रामलीला समिति के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने उनका भव्य स्वागत किया। सभी शिवभक्तों ने रात्रि में वनखंडीनाथ मंदिर परिसर में ही विश्राम किया। सोमवार सुबह कछला से लाए गंगाजल से भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। वनखंडीनाथ मंदिर पहुंचने से पहले जत्थे में शामिल शिवभक्तों ने कुछ देर रुककर बाबा अलखनाथ का दर्शन किया। धूमधाम के साथ निकले

न्यूरिया मे भगवान शिव के जयकारे लगाते कछला से गंगाजल लेकर आए कावड़िया

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम / न्यूरिया पीलीभीत मे सोमवार की सुबहा से ही शिवाल्यो मे बम बम भोले की गूंज रही मंदिर के बहार भक्त कतारों मे अपनी अपनी बारी का इंतेज़ार करते रहे श्री राधव माधव श्री कृष्ण मंदिर मे पहुंचकर श्रद्धलूओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया भोले की भक्ति मे लीन भोर से शिवाल्यो मे जल चढ़ाने पहुंच गए

कल नगर से एक जत्था गंगा जल लेने कछला गया था आज कावड़ लेकर बापस आया जत्था ने श्री राधव माधव मंदिर मे जलाभिषेक किया पुजारी रोहित पाण्डेय ने पूजा अर्चना कराकर शिव मंदिर मे जलाभिषेक कराया ओर उसके बाद प्रसाद का भी वितरण किया गया जत्था मे उपस्थित रहे शिव भक्त विक्की पाण्डेय टिंकू कश्यप मुकेश राठौर राजीव गुप्ता ओमप्रकाश शर्मा राकेश गुप्ता

पवन अग्रवाल नीरज कुमार पवन देवल सुरेन्द्र कुमार मुकेश गुप्ता राजेंद्र गुप्ता बंटी गुप्ता आदि शिव भक्त उपस्थित रहे

बरसात में भी नहीं रुकी सेवा: विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल डिलारी प्रखंड कांवरियों की सेवा में डटा रहा

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी (मुरादाबाद) सावन के सोमवार के पावन अवसर पर डिलारी प्रखंड में कांवर यात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हो रही है। हजारों की संख्या में कांवरियों के जत्थे डिलारी क्षेत्र से होकर गुज़रे। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल डिलारी प्रखंड द्वारा चलाई जा रही कांवरिया हेल्पलाइन सेवा के अंतर्गत सराहनीय कार्य किया गया। गौरतलब है कि पिछली महाशिवरात्रि पर कुछ असामाजिक तत्वों ने कांवर यात्रा में विघ्न डालने का प्रयास किया था। चार कांवरियों की कांवरें जानबूझकर बाइक से टकरा दी गई थीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उक्त घटना के कारण सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई थी, लेकिन स्थानीय जागरूकता और कार्यकर्ताओं की सूझबूझ से बड़ा

बवाल टल गया था। इन्हीं घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, बजरंग दल डिलारी प्रखंड ने यह कांवर यात्रा में प्रशासन के साथ मिलाकर कार्य किया । इसी क्रम में आज सोमवार को वर्षा के बावजूद कार्यकर्ताओं ने पूरे मार्ग पर सेवा भाव से डटे रहकर कांवरियों की सहायता की। प्रशासन और सेवा संगठनों का बेहतरीन समन्वय थाना प्रभारी श्री मनोज कुमार जी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन ने बेहद प्रभावशाली व्यवस्था की। चौराहों पर सिपाही तैनात रहे और श्री मनोज कुमार स्वयं मौके पर डटे रहे। बरसात के बावजूद पुलिस और बजरंग दल की टीमें कांवरियों के जत्थों को सुरक्षा और सुविधा के साथ आगे बढ़ाती रहीं। उन्होंने सूझबूझ के साथ मार्ग खाली कराया। प्रशासन ने भी इस कार्य में भरपूर सहयोग किया सेवा में शामिल प्रमुख कार्यकर्ता-खंड अध्यक्ष डिलारी- राजेंद्र सिंह, खंड अध्यक्ष गक्खरपुर- वीरेंद्र सिंह,प्रखंड सह संयोजक- विशाल कुमार, , महिपाल सिंह, ऋतिक कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे आज की कांवर यात्रा में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और पुलिस प्रशासन के समन्वय ने यह सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा, सेवा और सुरक्षा जब एकजुट होकर चलें, तो किसी भी असामाजिक तत्व की हिम्मत नहीं कि वह विघ्न डाल सके। डिलारी प्रखंड में सेवा का यह अद्वितीय उदाहरण आने वाले वर्षों की कांवर यात्राओं के लिए मार्गदर्शक बनेगा।

नगर निगम बड़े बकायेदारों को नोटिस भेज कुर्की की होगी ,जल्द कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम का टैक्स विभाग ने अगस्त माह से वसूली तेज करने की योजना बना रहा है। इसके लिए 10 लाख से 10 करोड़ रुपये तक के बकायेदारों की नई सूची बनाई जा रही है। पिछले साल की सूची के कई ऐसे बकायेदार हैं जो हाउस टैक्स जमा कर चुके हैं। निगम ने हर जोन को 80 लाख रुपये प्रतिमाह जमा करने का लक्ष्य दिया गया है। नगर निगम लंबे समय से हाउस, जल और सीवर टैक्स समेत अन्य बकाया जमा न करने वाले बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर रहा है। इन सभी को जल्द ही अंतिम नोटिस भेजकर भुगतान के लिए कहा जाएगा। इसके बाद भी यदि बकाया जमा नहीं किया गया, तो कुर्की और वसूली की सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे प्रतिष्ठान, व्यावसायिक संपत्तियां और आवासीय भवन जिन पर 10 लाख रुपये के अधिक का टैक्स बकाया है, उनकी सूची तैयार की जा रही है। पांच सरकारी विभाग हैं जिन पर दो करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक बकाया है। इसके अलावा नामचीन व्यापारिक प्रतिष्ठान और बड़े भवन मालिक शामिल हैं, जो बरसों से बकाया भुगतान नहीं कर रहे हैं। इससे नगर निगम को राजस्व नुकसान हो रहा है और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कर निर्धारण अधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि पहले चरण में 50 सबसे बड़े बकायेदारों की सूची बनाई जा रही है। प्रत्येक को बकाया भुगतान के लिए अंतिम नोटिस भेजा जाएगा। यदि तय समय पर भुगतान नहीं होता है, तो संपत्ति कुर्क कर नीलामी की जाएगी।

न्यूरिया के गांव माड़रिया मे आज बाघ की घटना को पांच दिन होगया है लेकिन बाघ अभी भी वन विभाग की पकड़ से बहार है

क्यूँ न लिखूँ सच / न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव मड़रिया मे अभी तक नहीं पकड़ मे आया बाघ बाघ ने17जुलाई को गांव कि महिला कृष्णा देवी पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था और एक किशोर को घ्याल कर दिया था जिसको लेकर ग्रामीणों मे वन विभाग के विरुद्ध आक्रोश था ग्रामीणों ने महिला का शव नहीं उठने दे रहे थे तब घटना स्थल पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक व क्षेत्रीये विधायक स्वामी प्रवक्ता ननंद जी ने प्रशासन और वन विभाग को चौबीस घंटे मे बाघ को पकड़ने का समय दिया था विधायक जी के समझाने से ग्रामीणों ने महिला शव उठने दिया लेकिन वन विभाग के द्वारा आज पांच दिन हो गए है लेकिन बाघ अभी तक नहीं पकड़ा गया है बाघ कि लोकेशन मड़रिया गांव से घटना बाले दिन कि रात कि लोकेशन बाघ कि महेश पुर मे थी उसके अगले दिन शुक्रवार कि लोकेशन महेशपुर मे थी उसके बाद शनिवार को बाघ कि लोकेशन गांव डंडिया मे मिली उसके बाद कि लोकेशन बाघ कि विथरा मे बतयी गयी है लेकिन आज बाघ कि कोई लोकेशन ही नहीं है गांव मड़रिया मे बाघ कि दहशत के बजह से किसान खेतो पर नहीं जा रहे है और बच्चे स्कूल नहीं जा रहे है आज घटना को पांच दिन हो गए है लेकिन बाघ कि दहशत मे आज भी गांव मे दिख रही है इधर आवारा पशु जो खेतो मे रहते थे वह भी गांव मे आगये है ग्रामीणों का कहना है कि इन आवारा पशुओं कि बजह से बाघ खेतो मे आरहा है सरकार को इन जंगली जानवरो के साथ साथ आवारा पशुओं पर भी ध्यान देना चाहिए वन विभाग के डिप्टी रेंजर शेर सिंह ने बतया कि बाघ कि आज कही से कोई लोकेशन नहीं मिल रही है वन विभाग कि टीम मड़रिया हाशिमपुर महेशपुर कैमा डंडिया फूलहेर विथरा सैजना साइजनी बनकटी और मेवात पुर मे बाघ कि निगरानी कर रही है और बाघ से प्रवहित गांव मे ग्रामीणों को जागरूक कर रही है कि अकेले खेत पर ना जाये और रात के समय मे घर से ना निकले

♦ न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव मंडरिया मे बाघ के डर की चर्चा करते हुए ग्रामीण

♦ न्यूरिया गांव बिथरा मे बाघ को लेकर जागरूक करती वन विभाग की टीम

महूली बस स्टैंड चौक से डंपर से दो नग बैटरी ले उड़े चोर चांदनी पुलिस खोजबीन जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है लगातार क्षेत्र में चोरी का सिलसिला देखने के लिए मिल रहा है वहीं बिहारपुर से लगे ग्राम पंचायत महूली बस स्टैंड चौक में बीते रात्रि चोरों ने डंपर वाहन से दो नाग बैटरी को पार कर दिया वहीं आज सुबहचोरी जानकारी वाहन मालिक ने तत्काल चांदनी बिहरपुर थाने में इसकी जानकारी लिखित में दे दिया गया है पुलिस हर एंगल से जांच में जुटा हुआ है छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र होने से

लगातार हो रहे हैं चोरी वहीं बिहरपुर क्षेत्र में कबाड़ का कारोबार भी धड़ल्ले से चल रहा है चोरी शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रहे हैं वहीं बीते दिन महोली से बकरा चोरी मामले में नाम दर्ज रिपोर्ट दर्ज कराया गया था लेकिन अभी तक चांदनी पुलिस इस पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया है चांदनी क्षेत्र चोगा महूली सहित आसपास के गांव में कभी मोटर पंप तो कभी सोलर कंट्रोलर सोलर पैनल बकरी इमरती लकड़ी की चोरी का सिलसिला लगातार जारी है अभी तक सभी मामले में चांदनी पुलिस का हाथ खाली है बीते वर्ष हुए मां गढवतिया देवी धाम में लाखों की घंटी चोरी का अभी तक पुलिस खुलासा नहीं कर पाया है इसके बाद भी क्षेत्र में लगातार चोरी का सिलसिला जारी है क्षेत्र में लगातार कबाड़ की खरीदी बिक्री का सिलसिला जोरों पर चल रहा है

शासकीय कन्या हाई स्कूल नवापारा में ''ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता'' विषय पर पहला सत्र का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के तहत शासकीय कन्या हाई स्कूल नवापारा सूरजपुर में ''ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता'' विषय पर पहला सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम

अधिकारी श्री शुभम बंसल जी के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन नवा बिहान संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्र कुमारी तिवारी एवं महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह के नेतृत्व में किया गया। यह सत्र वर्तमान समय में बालिकाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग जालसाजी, मैलवेयर, रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमलों एवं साइबर जासूसी जैसे खतरों के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया था।

साइबर सेल से श्री पंकज सिंह मार्को ने बालिकाओं को इंटरनेट से जुड़े खतरों से सचेत रहने, सोशल मीडिया उपयोग में सावधानी बरतने और साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए उनके बचाव के उपाय बताए। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत बालिका भ्रूण हत्या, बाल विवाह, घरेलु हिंसा, सखी वन स्टाप सेंटर एवं किशोरी बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी प्रदान की। विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षको के सहयोग से सत्र का सफल आयोजन किया गया। बालिकाओं ने पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर सवाल-जवाब कर अपनी जागरूकता को बढ़ाया।

03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / बहराइच - आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

लंबित पेंशन, ईआरएम व ईडब्लूआर के प्रकरणों की हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिला पंचायत, सूरजपुर के सभाकक्ष में आयोजित लंबित पेंशन/ईआरएम/ईडब्लूआर के प्रत्येक प्रकरणों की समीक्षा श्री अनिल कुमार बारी, उप संचालक, संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, सरगुजा एवं श्री प्रेमशंकर तिवारी, जिला कोषालय, के द्वारा किया गया। श्री अनिल कुमार बारी के द्वारा ऐसे प्रकरण जो संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन, अम्बिकापुर, संभाग-सरगुजा से आपत्ति पश्चात् ऑनलाइन वापस किये गये पेंशन प्रकरणों का उपस्थित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं पेंशन लिपिकों को आपत्ति के निराकरण के संबंध में विस्तृत से चर्चा किया गया। आगामी 02 माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का भी पेंशन प्रकरण तैयार कर कोष लेखा एवं पेंशन को प्रेषित किये जाने हेतु समझाईश दी गई। ईआरएम, ईडब्लूआर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर्मचारियों या उनके परिवारजनों के द्वारा ओपीएस का चयन किया गया है। ऐसे प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने हेतु समझाईश दी गई है एवं पेंशन प्रकरण तैयार करने में आने वाले समस्याओं के संबंध में भी विस्तृत चर्चा किया गया है। इस अवसर पर जिला कोषालय के लिपिक श्री सुशील सिंह, श्री संगीत कुमार, श्री सतीश कुमार, श्री ईश्वर प्रसाद उपस्थित रहे।

अनूठा शिवलिंग - एक ही शिवलिंग में करे शिव और माता पार्वती के दर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों और ज़िलों में से एक, पीलीभीत में कई लोकप्रिय धार्मिक पर्यटन स्थल हैं जो ज़िले के साथ-साथ राज्य के पड़ोसी ज़िलों से भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। इन धार्मिक स्थलों की सबसे खास बात यह है कि ये पवित्र मंदिर प्राचीन निर्माणों से बने हैं, इसलिए भक्ति मूल्यों के साथ-साथ इनका ऐतिहासिक महत्व भी बहुत है। पीलीभीत का गौरी शंकर मंदिर ऐसा ही एक अनोखा और प्रमुख मंदिर है।गौरीशंकर मंदिर खकरा व देवहा नदी के किनारे मोहल्ला डालचंद में स्थित हैं। हर साल भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से यह मंदिर हिंदुओं की आस्था और भक्ति का प्रतीक बन गया है। गौरीशंकर मंदिर हिंदुओं का एक पवित्र धार्मिक स्थल है। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका लगभग 2000 साल पुराना शिवलिंग है। लोग यहाँ ज़्यादातर अपनी धार्मिक आस्था के कारण आते हैं। यह जगह शांत वातावरण ध्यान

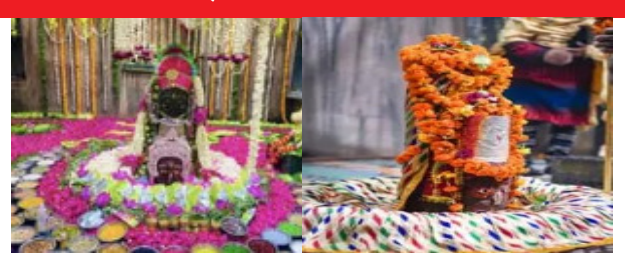

लगाने या एकाग्रता में मदद करता है। यह कुछ शांत समय अकेले बिताने के लिए भी एक अच्छी जगह है। यहाँ हर साल शिवरात्रि , रक्षाबंधन और श्रावण मास (जुलाई-अगस्त) के हर सोमवार को मेला लगता है। पीलीभीत शहर आपको घूमने के लिए धार्मिक स्थलों का एक अच्छा संग्रह प्रदान करता है। ये स्थान पवित्र तीर्थस्थलों के लिए प्रसिद्ध हैं और अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक माने जाते हैं। ऐतिहासिक गौरीशंकर मंदिर का मुख्य आकर्षण प्राचीन शिवलिंग है। शिवलिंग में पार्वती का मुख भी है। इस मंदिर में एक ही शिवलिंग में भगवान शिव व माता गौरी विराजमान हैं। यहां शिवलिंग अर्धनारीश्वर स्वरूप में है। शिवलिंग के इस विशेष स्वरूप के चलते ही इस मंदिर का नाम गौरीशंकर पड़ा। गौरीशंकर स्वरूप के कारण ही लोगों में मंदिर की मान्यता है। इस प्राचीन मंदिर में यूं तो साल भर श्रद्धालु पूजा अर्चना को आते हैं, लेकिन सावन में इस मंदिर का महत्व और भी बढ़ जाता है। मंदिर के पंडित जयशंकर महंत बताते हैं कि सावन में यहां रोजाना दिन में चार बार अभिषेक कार्यक्रम होता है जो पूरे श्रावणमास जारी रहता है। इस मंदिर में रुद्राभिषेक का भी खासा महत्व है। हर वर्ष सावन के सोमवार को यहां बड़ी संख्या में भक्तगण बाबा गौरी शंकर की भस्म आरती में शामिल होते है, साथ ही श्री राम नामी बेलपत्र के साथ पूजन अर्चन कर बाबा गौरी शंकर का रुद्राभिषेक करते हैं। जिसके बाद उन्हें मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि गौरीशंकर रूप में विराजमान शिवलिंग भक्तों की चमत्कारिक रूप में मनोकामना पूरा करते है। मंदिर में वैसे तो श्रद्धालु प्रतिदिन पूजा करने पहुंचते हैं लेकिन सावन, महाशिवरात्रि और गंगा दशहरा पर विशेष आयोजन होते हैं। सावन के महीने में प्रत्येक सोमवार को हरिद्वार, कछला आदि स्थानों से कांवर भरकर लाने वाले कांवड़ियों के जत्थे यहां जलाभिषक करने के लिए उमड़ते हैं। सावन में मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाता है। साथ ही बाबा गौरीशंकर की मनमोहक श्रृंगार आरती की जाती है। जिसके दर्शन पाने के लिए मंदिर में हज़ारों श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है। सावन के महीने में आसपास के तमाम श्रद्धालु अलग-अलग गंगा घाटों से जल लाकर शिवलिंग का जलाभिषेक करतेहैं। सावन में दूर-दराज से आने वाले शिवभक्त यहां कांवर लेकर आते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए अर्जी लगाते हैं। सावन के महीने में अनेक श्रद्धालु भगवान गौरी शंकर का रुद्राभिषेक भी कराते हैं। ऐसे में पूरे सावन माह के दौरान रुद्राभिषेक अनुष्ठान संपन्न कराने की भी व्यवस्था की जाती है। यहां आने वाले श्रद्धालु पहले दूधिया मंदिर में आरती करते हैं फिर यहां जलाभिषेक करते हैं। दूधिया मंदिर से गौरी शंकर मंदिर की दूरी करीब डेढ़ किलोमीटर है। गौरीशंकर मंदिर एक विशाल प्राचीन मंदिर है ।लेकिन मंदिर की इमारत बहुत पुरानी नहीं है। यह स्तंभों और दीवारों पर आकर्षक नक्काशी के साथ एक भव्य , मनमोहक संरचना है। इसका विशाल , साफ-सुथरा परिसर है। एक बड़ा और भव्य द्वार आगंतुकों का स्वागत करता है। फिर मंदिर की परिधि के मध्य में एक मंच दिखाई देता है। इसके अलावा मंदिर के विभिन्न भागों में तीन और शिवलिंग समूह हैं। बालाजी मंदिर, राम-सीता मंदिर, लक्ष्मी माता मंदिर, शिव-गौरी मंदिर और नंदी महाराज की एक बड़ी मूर्ति मंदिर की सीमा में है। मंदिर के महंत पंडितजी जयशंकर शर्मा ने बताया कि स्थानीय प्रशासन के सहयोग से मंदिर परिसर में कंट्रोल रूम व खोया पाया केंद्र की स्थापना की गई है। इसके साथ ही साथ स्वास्थ्य महकमे की ओर से भी मेडिकल कैंप लगाया गया है। महंत की ओर से बताया गया कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसने अमर्यादित वस्त्र जैसे शॉर्ट्स, कटी-फटी जीन्स, नाइट सूट आदि पहने होंगे उन्हें मंदिर में दर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पूजन में पूजा सामग्री के साथ ही साथ व्यक्ति के वस्त्र का भी काफ़ी अधिक महत्व होता है। ऐसा संभव नहीं है कि जिसका जो मन हो वह उस प्रकार के वस्त्र पहन कर मंदिर में पूजन करें। पारंपरिक वस्त्र जैसे धोती कुर्ता या कुर्ता पायजामा को ही पूजन के समय धारण करना चाहिए। मंदिर महंत ने बताया कि कई युवक युवतियां मन्दिर परिसर में सोशल मीडिया रील्स भी बनाते देखे जाते हैं। प्राचीन गौरीशंकर मंदिर एक आध्यात्मिक केंद्र है न कि कोई गार्डन। जानकारी के लिहाज़ से भी मंदिर परिसर में किसी भी तरह की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मंदिर कमेटी से परमिशन लेना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के होटल में छिपा था 50 हजार रुपये का इनामी पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत विदेश भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाला 50 हजार का इनामी आरोपी पीलीभीत पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी दिल्ली के उत्तमनगर में स्थित एक होटल में छिपा था। आरोपी पर अलग-अलग थानों में पांच मुकदमे दर्ज हैं। एएसपी विक्रम दहिया ने बताया कि अमरिया थाने के गांव पिंजरा वमनपुरी निवासी मनोज कुमार भारती पर अमरिया, घुंघचाई और माधोटांडा थाने में लोगों को विदेश भेजने और नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी के मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। अमरिया और एसटीएफ फील्ड यूनिट बरेली की संयुक्त टीम ने दबिश देकर दिल्ली के होटल से इनामी मनोज कुमार को दबोच लिया। उन्होंने बताया कि इनामी आरोपी को दिल्ली के बिंदापुर थाना क्षेत्र के होटल त्वमेव पंखा रोड उत्तमनगर से पकड़ा गया है। आरोपी होटल में छिप कर रह रहा था। एएसपी ने बताया कि आरोपी को रिसेप्शन काउंटर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पहले तो उसने अपना नाम मुकेश बताया। सख्ती करने पर वास्तविक पहचान मनोज कुमार स्वीकार कर ली। पुलिस से बचने के लिए वह पहचान छिपाकर लखनऊ, अन्य शहरों और दिल्ली में रह रहा था। आरोपी का चालान न्यायालय भेजा गया है। विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामलों को लेकर पुलिस सख्त है। जिले में 100 से अधिक मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। कई लोगों को जेल भी भेजा गया। इस तरह के मामले लगातार सामने भी आ रहे हैं। ठगों ने कई परिवारों की जमीन, जेवर और अन्य सामान तक बिकवा दिया है। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी तक दी।

सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगों के खिले चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। रेडक्रॉस सोसायटी व भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सौजन्य से जिले में भव्य सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद राम शिरोमणि वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र, विधायक श्रावस्ती रामफेरन पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में एसपी घनश्याम चौरसिया, सीडीओ शाहिद अहमद, एडीएम (वि/रा) अमरेन्द्र कुमार वर्मा, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल अमरेन्द्र कुमार वरुण भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रेडक्रॉस सचिव एवं आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर विधायक श्रावस्ती ने कहा कि देश में मोदी और प्रदेश में योगी के नेतृत्व में भारत का हर नागरिक आगे बढ़ रहा है। दिव्यांग जन इन सहायक उपकरणों की सहायता से अपने जीवन में प्रगति करें आगे बढ़े। विधान परिषद सदस्य ने कहा कि रेडक्रॉस की टीम के प्रयास लगातार तीसरी बार वह ऐसे वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हो रही हैं। रेडक्रॉस के प्रयासों से दिव्यांग जनों के चेहरे पर जो मुस्कान आती है उसके लिए रेडक्रॉस बधाई की पात्र है। रेडक्रॉस के पैटर्न सदस्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया की रेडक्रॉस और एल्मिको के माध्यम से जनपद श्रावस्ती के दिव्यांग जनों के लिए अन्य जनपदों की अपेक्षा बहुत अच्छा कार्य हुआ है। आज मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरण में श्रावस्ती शीर्ष पर है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं आप दिव्य हैं इसलिए आप दिव्यांग हैं। सांसद ने कहा कि हमारा प्रयास रहता है कि सभी दिव्यांग जन को उनके लिए अनुमन्य सहायक उपकरण मिलें और उनका जीवन सरल हो सके। आगे भी इस तरह के वितरण कार्यक्रम होते रहेंगे इसका वह प्रयास करेंगे। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ केके वर्मा, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी अजीत कुमार, डॉ फणीन्द्र तिवारी, डॉ गौतम, रेडक्रॉस कोषाध्यक्ष रवि मिश्र, रेडक्रॉस प्रबंध समिति सदस्य सोहनलाल मिश्र, आपदा मित्र विवेक श्रीवास्तव, पेशकार यादव, रामकुमार सहित अन्य अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

हरिद्वार से गंगाजल भरकर शिव भक्त कावड़िया अपनी मंजिल की ओर बढ़ते कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता शामली शामली शिव चौक धर्म नगरी मे हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने मंजिल की ओर बढ़ते कांवड़ियों के कदम शामली हरिद्वार से आयशा ज ग ह - ज ग ह के लिए लगाई ही शामली ने कावड़ की पुलिस प्रशासन भक्तों के लिए ठहरने रहने खाने गई शिविर वैसे पुलिस अधीक्षक सेवा के लिए द्वारा कड़िया को फल फल पानी कोल्ड ड्रिंक वगैरह पुलिस प्रशासन द्वारा दी जा रही है और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हरिद्वार से ऐसी भक्तों का पूरा ध्यान रखा जाए यह हमारे शामली में आए इसी भक्तों के लिए खानपान मेडिकल की हर व्यवस्था कराई गई और पुलिस प्रशासन द्वारा कावड़ की सुरक्षा के लिए पुक्ता इंतजाम भी किये गए और भारी मात्रा में कावड़ आगमन पर कावड़ की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन अपनी देख रेख में शिव भक्त कावड़ियों की सुरक्षा की जा रही है शामली जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान द्वारा शिव भक्ति का का कावडियो का शामली आगमन पर जागे जागे भव्य स्वागत पुष्प वर्षा करके जलपान की व्यवस्था करके की जा रही है शामली जिलाधिकारी ने कहा कि शामली में आए इसी भक्तों के लिए विशेष ध्यान रखा जाए और शिव भक्त कावड़ियों को हर सुरक्षा प्रदान की जाए

चोरी की योजना बना रहे 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय चोरी की योजना बना रहे 02 अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध के रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर बहराइच के निर्देशन में आज दिनांक 21.07.2025 को उ0नि0 श्री अजेश कुमार, उ0नि0 श्री रवि यादव, आरक्षी शिव प्रसाद यादव, आरक्षी सुग्रीव वर्मा द्वारा चोरी की योजना बनाते हुए दो अभियुक्तगण बबलू सिंह पुत्र वासुदेव सिंह निवासी धांधी कनरखी थाना रामपुर मथुरा जनपद सीतापुर उम्र 45 वर्ष व आफताब पुत्र महताब निवासी महोलीपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच उम्र 35 वर्ष को मोहल्ला बडीहाट निकट तारा महिला इंटर कालेज के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त बबलू उपरोक्त की

♦ 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर व 01 अदद हथौड़ा, 01 अदद रूखानी, 01 अदद पेंचकस, लोहे की राड, एक अदद टार्च बरामद

जमा तलाशी से एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, लोहे की राड, एक अदद टार्च व अभियुक्त आफताब उपरोक्त की जामा तलाशी से एक अदद हथौड़ा , एक अदद रूखानी, एक अदद पेंचकस बरामद हुआ । जिसके सम्बन्ध में उ0नि0 श्री अजेश कुमार द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं 156/25 धारा 313 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कराया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है। अभियुक्तगण का नाम व पता -1. बबलू सिंह पुत्र वासुदेव सिंह निवासी धांधी कनरखी थाना रामपुर मथुरा जनपद सीतापुर उम्र 45 वर्ष 2. आफताब पुत्र महताब निवासी महोलीपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच उम्र 35 वर्ष

शिवपुरी में भी लगेंगे बड़े उद्योग, निवेश से बढ़ेगा रोजगार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में शिवपुरी जिले को बड़ी उपलब्धि मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर औद्योगिक निवेश के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं देश-विदेश में निवेशकों से संवाद कर मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयासरत हैं। इसी क्रम में शिवपुरी जिले में भी अब बड़े उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। कलेक्टर श्री रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा तहसील बैराड़ अंतर्गत ग्राम कालागढ़ स्थित 81 हेक्टेयर शासकीय भूमि को उद्योग विभाग के लिए हस्तांतरित किया गया है। अब तक जिले में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग ही अधिकतर स्थापित हुए हैं, किंतु पहली बार जिले में दो लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज की स्थापना हेतु भूमि आवंटन किया गया है। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा ग्राम कालागढ़ की उक्त भूमि पर मेसर्स सुपरकट वेल्डिंग इंडस्ट्रीज तथा मेसर्स एमआरबी इंजीनियरिंग को आवंटन किया गया है। सुपरकट वेल्डिंग इंडस्ट्रीज द्वारा 130 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं एमआरबी इंजीनियरिंग द्वारा 125 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और 450 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध होगा।

इन इकाइयों में इंजीनियरिंग इंस्ट्रूमेंट्स का उत्पादन किया जाएगा। आज सोमवार को संबंधित भूमि पर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संपन्न की गई। राजस्व दल एवं पुलिस बल की सहायता से 60 हेक्टेयर भूमि से जेसीबी मशीन द्वारा पत्थर की बनी कच्ची-पक्की बाउंड्री को हटाकर क्षेत्र को खाली कराया गया। रिहायशी मकानों को तत्काल नहीं हटाया गया है, उन्हें समय दिया गया है। राजस्व, उद्योग एवं नगर परिषद की संयुक्त टीम द्वारा इन मकानों को चिह्नित कर अगली कार्यवाही पृथक रूप से की जाएगी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में तहसीलदार श्री दृगपाल सिंह वैस, राजस्व निरीक्षक श्री आनंद कुमार शर्मा, पटवारीगण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, उद्योग विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री सी.पी. उपाध्याय एवं टीम, नगर परिषद बैराड़ के सीएमओ श्री बाबूलाल कुशवाह सहित अन्य अधिकारी व पुलिस बल मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मऊआइमा में पांच सौ बोरी गेहूं ट्रक चालक, मालिक, ट्रांसपोर्टर ले कर चम्पत,मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुर खास निवासी उमेश चन्द्र केशवानी पुत्र शंकर लाल ओम सांई ट्रेडर्स के नाम से गल्ला की आढत चलाते हैं। बताया गया है कि पांच सौ बोरी गेहूं तीन सौ आठ किलो 11जुलाई को ट्रक पर लोड होकर हैदराबाद तिरंगा के लिए गए परन्तु 16 जुलाई तक नहीं पहुंचा तो उमेश चन्द्र ने ट्रांसपोर्टर और ट्रक चालक को फोन लगाया तो गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। सोमवार को उमेश चन्द्र ने मऊआइमा थाने में ट्रक मालिक अकबर अली पुत्र मुन्नू ग्राम किरांव, ट्रक चालक मोहम्मद तौफीक पुत्र अब्दुल खालिक ग्राम पूरे सहाय रानीगंज प्रतापगढ़, ट्रांसपोर्टर जहिर बाबा ग्राम महमदपुर सराय अली निवासी के खिलाफ लिखों रूपए मूल्य का गेंहू हजम करने पर मुकदमा दर्ज कर करा दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करने में जुट गई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर पंचायत मऊ आइमा जिले में नम्बर अव्वल बना

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा(प्रयागराज) स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर पंचायत मऊआइमा जिला प्रयागराज में नबर एक पर आया है । उक्त जानकारी

अधिशासी अभियंता मीनाक्षी चतुर्वेदी ने देते हुए बताया ।जिससे नगर पंचायत के नगर वासियों में हर्ष एवं खुशी की लहर व्याप्त है । बताया गया है कि ईवो मीनाक्षी चतुर्वेदी एवं चेयरमैन शोएब अंसारी द्वारा स्वच्छता को लेकर बहुत सारे कार्यो को कराया गया। जिसके कारण पिछले वर्ष 2023 की तरह 2024 में भी नगर पंचायत मऊआइमा नबर एक पर आया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 नगर पंचायत मऊआइमा को पूरे प्रदेश में 121 रैंकिंग, पूरे भारत की रैंकिंग 392 आया है। इस अवसर पर मुद्रित खत्री, सदस्य रवि साहू, प्रदीप कुमार केसवानी, वरिष्ठ समाज सेवी उमैर जलाल, इंजीनियर नूर उद्दीन सैफी, मेराज आरिफ, इरसाद कुरैशी, दानिश अंसारी आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों को बधाई दी है।

इलाहाबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हन्जला सद्दाम हुसैन ने जेल मंत्री को पत्र लिखा, जेलों की स्थिति को लेकर जताई चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच / इलाहाबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री मोहम्मद हन्जला सद्दाम हुसैन ने प्रदेश के जेल मंत्री को एक पत्र लिखकर राज्य की जेलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अपने पत्र में जेलों में स्वास्थ्य सुविधाओं, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।पत्र में उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि कारावास को केवल सज़ा का स्थान न मानकर सुधार और पुनर्वास का केंद्र बनाया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों की कानूनी सहायता की उपलब्धता बढ़ाने और जेलों में हो रहे कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।इस विषय पर आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री हन्जला ने कहा, हमारे देश की न्याय व्यवस्था सुधार की दिशा में काम कर रही है, ऐसे में जेलों को भी उसी सोच के साथ चलाना होगा। बंदियों को भी एक सम्मानजनक जीवन की उम्मीद दी जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि एक उच्चस्तरीय समिति गठित कर जेलों की वर्तमान स्थिति की जांच की जाए और सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

शिवपुरी जिले में नलकूप खनन से प्रतिबंध हटाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 6(1) के अंतर्गत जिले में नलकूप खनन पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के आदेश जारी किए गए हैं। यह प्रतिबंध पूर्व में जिले में संभावित पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए लगाया गया था,

जिसे अब वर्तमान वर्ष की वर्षा स्थिति और जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त मांगों के आधार पर हटाया गया है। कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड शिवपुरी ने बताया कि जिले में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष पर्याप्त वर्षा दर्ज की गई है। साथ ही, जनप्रतिनिधियों द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु जल की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए प्रतिबंधों में शिथिलता देने की मांग की गई। कलेक्टर श्री चौधरी द्वारा इन तथ्यों पर विचार करते हुए जिले में वर्तमान में लागू पेयजल परिरक्षण अधिनियम में शिथिलता प्रदान करते हुए 16 जुलाई 2025 से शिवपुरी जिले के शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नलकूप खनन पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया जाता है। यह आदेश आगामी अन्य आदेश तक जारी रहेगा।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव/ भारतीय किसान यूनियन द्वारा विगत 21 जून 2025 से किसानों की तमाम समस्याओं को देखकर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन लगातार जारी है

परंतु जिले का कोई भी सक्षम अधिकारी किसानों की समस्याओं के निस्तारण की स्थिति से अवगत कराने या समस्याओं का निराकरण के लिए सकारात्मक वार्ता करने धरना स्थल पर नहीं आया जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है शीघ्र किसान शीघ्र किसानो की समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर वार्ता हेतु भेज कर किसानों की समस्याओं का निराकरण करवाया जाए जिससे निश्चित कालीन धरना समाप्त किया जा सके भारतीय किसान यूनियन(टिकैत) के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी से वार्ता करने पर पता चला कि अन्यथा की स्थिति मे दिनांक 23/7/2025 को उग्र प्रदर्शन के क्रम मे कलेक्ट्रेट श्रावस्ती का घेराव किया जायेगा जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रसासन की होंगी

नशा मुक्ति अभियान के तहत छात्रों को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत 'डी' समवाय, तरुस्मा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत बाबा जबदहा इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक जामवाल तथा उनके साथ मौजूद 04 अन्य कार्मिकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य, समस्त अध्यापकगण तथा लगभग 120 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसएसबी टीम द्वारा छात्रों को नशे की बुरी आदतों से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई तथा नशे से दूर रहकर एक स्वस्थ, समृद्ध एवं सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जागरूक कर उन्हें सामाजिक बुराइयों से दूर रखना रहा। कॉलेज प्रशासन एवं विद्यार्थियों ने सशस्त्र सीमा बल द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना करते हुए इसके सकारात्मक प्रभाव की सराहना की।

सर्विलांस व गिलौला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दस हजार का इनामिया, अंतर्जनपदीय हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में थानाध्यक्ष गिलौला विनय कुमार पाण्डेय व पुलिस टीम मुकदमा में वांछित चल रहे अभियुक्त पेशकार पासी पुत्र छोटे लाल पासी निवासी सावल पुरवा दा0 चौकशा थाना खैरीघाट जनपद बहराइच को गिरफ्तार किया गया अभियुक्त के पास से 01 अवैध देशी तमंचा 12 बोर व 01 जिन्दा कारतूस बरामद किया गया, बरामदगी के आधार पर थाना गिलौला पर मुकदमा पंजीकृत कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। थाना गिलौला जनपद-श्रावस्ती सर्विलांस व थाना गिलौला पुलिस द्वारा मुखविर की सूचना पर अभियुक्त पेशकार पासी पुत्र छोटे लाल पासी निवासी सावल पुरवा दा0 चौकशा थाना खैरीघाट जनपद बहराइच को कमोलिया पुलिया के पास गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त अभियुक्त हिस्ट्रीशीटर व शातिर किस्म का अपराधी है जिसके विरूद्ध अन्य जनपदो में चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्मस एक्ट व छक्कै एक्ट आदि के विभिन्न अभियोगों में वांछित था। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती द्वारा 10 हजार रूपये का पुरष्कार घोषित किया गया।

गांधी नगर में डॉक्टर की लापरवाही से हुई मासूम की मौत मामले में न्याय की आस में दर-दर भटक रहे परिजन

कोंच में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से बच्चे की मौत का आरोप

♦ पीड़ित पिता ने जिलाधिकारी से की कार्रवाई की मांग, उपजिलाधिकारी और प्रभारी निरीक्षक को भी दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार कोंच, जालौन। कोंच में एक गरीब मजदूर पिता ने बच्चों के एक डॉक्टर पर लापरवाही से अपने 11 वर्षीय बेटे की मौत का आरोप लगाया है। मृतक बच्चे के पिता का कहना है कि डॉक्टर ने मामूली पेट दर्द और उल्टी की शिकायत पर उनके बेटे को जरूरत से ज्यादा इंजेक्शन और बोतलें चढ़ा दीं, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और अंतत: उसकी मौत हो गई। क्या है पूरा मामला? गांधी नगर, कोंच निवासी रामू प्रजापति ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 14 जुलाई, 2025 को शाम करीब 4 बजे उनके 11 वर्षीय बेटे विवेक को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। वह अपने बेटे को लेकर बच्चों के डॉक्टर उपेंद्र निरंजन के क्लीनिक वात्सल्य (मुंसिफी

के पास) गए। रामू के अनुसार, डॉ. निरंजन ने विवेक को भर्ती करने की सलाह दी और कई इंजेक्शन व बोतलें तेज गति से चढ़ा दीं। रामू ने कई बार डॉक्टर से पूछा कि अगर कोई गंभीर समस्या है तो वह बच्चे को बाहर ले जाएं, लेकिन डॉक्टर ने यह कहकर आश्वस्त किया कि वे संक्रमण दोबारा न आए इसलिए ऐसा कर रहे हैं। शाम 7 बजे रामू अपने बेटे को लेकर घर आ गए। रामू का आरोप है कि डॉ. निरंजन द्वारा अत्यधिक मात्रा में लगाई गई बोतलों और इंजेक्शन के कारण 14/15 जुलाई 2025 की रात करीब 2 बजे विवेक के मुंह और नाक से झाग निकलने लगा। रामू तुरंत अपने बेटे को लेकर दोबारा डॉ. उपेंद्र के क्लीनिक पहुंचे, लेकिन उनकी पत्नी ने उन्हें तेज आवाज में यह कहकर फटकार दिया कि यह अस्पताल नहीं है क्लीनिक नहीं है जहां जब चाहे आ तुम लोग आ जाते हो। रामू ने डॉ. उपेंद्र को फोन किया, तो उन्होंने यह कहते हुए आने से इनकार कर दिया कि वे कोंच में नहीं हैं, जबकि रामू का दावा है कि डॉक्टर रात 6:30 बजे तक उनके बेटे का इलाज कर रहे थे। इसके बाद रामू अपने बेटे को आनन-फानन में सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामू का मानना है कि उनके बेटे की मौत का मुख्य कारण उल्टी और पेट दर्द जैसी छोटी सी बीमारी में डॉक्टर द्वारा अत्यधिक बोतलें और इंजेक्शन लगाना है, और मौके पर डॉक्टर के होते हुए भी इलाज न करना है। उनका कहना है कि अगर डॉक्टर समय पर आ जाते और अपना फर्ज निभाते तो शायद उनके बेटे की जान बच सकती थी। अवैध नर्सिंग होम और अप्रशिक्षित स्टाफ का आरोप रामू प्रजापति ने जिलाधिकारी को यह भी बताया है कि उन्हें जानकारी मिली है कि डॉ. उपेंद्र निरंजन वात्सल्य अस्पताल की आड़ में एक नर्सिंग होम चला रहे हैं और अप्रशिक्षित स्टाफ के द्वारा मरीजों (बच्चों) को रुपए ऐंठने के लिए बोतलें और इंजेक्शन लगाते हैं। उनका कहना है कि कोंच में बच्चों का कोई विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है, जिसका फायदा उठाकर डॉ. निरंजन जमकर लूट खसोट करते हैं। रामू ने यह भी बताया कि डॉ. निरंजन मेनरोड पर अपने बोर्ड में खुद को बच्चों का डॉक्टर बताते हैं। वे स्वयं दवाएं देते हैं और दवाओं का बिल भी हाथ से लिखा हुआ होता है, जो कंप्यूटरराइज्ड नहीं होता। रामू ने डॉक्टर द्वारा ली गई फीस का भी विवरण दिया है, जिसमें पर्चा फीस 300 रुपये, बोतलों और इंजेक्शन के लिए दो बार में 2000 रुपये, खून की जांच के लिए 440 रुपये और अंत में 347 रुपये शामिल हैं, जिसका हाथ से लिखा हुआ पर्चा उनके पास है। स्थानीय प्रशासन की inaction पर सवाल रामू प्रजापति ने बताया कि वह इस संबंध में 17 जुलाई 2025 को उपजिलाधिकारी कोंच और प्रभारी निरीक्षक कोंच को भी लिखित शिकायत कर चुके हैं और पिछले चार दिनों से लगातार स्थानीय अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन डॉ. निरंजन के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।रामू ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि उनके प्रार्थना पत्र पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए डॉ. उपेंद्र निरंजन के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और उनके नर्सिंग होम को सीज किया जाए। यह मामला कोंच में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और ऐसे क्लीनिकों पर नियंत्रण की आवश्यकता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

Make this festival immortal at home, adopt these tricks to give the right shape

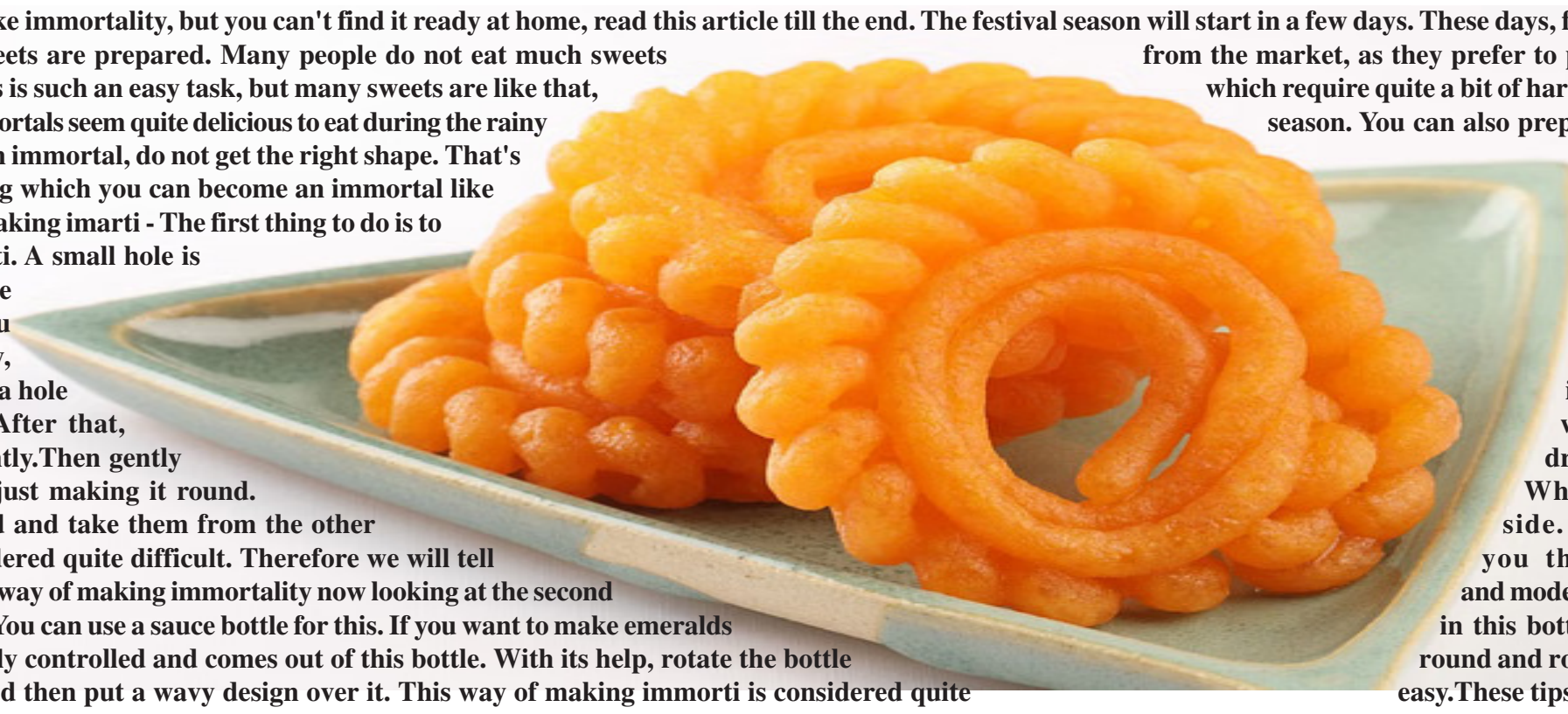

If you also like to make immortality, but you can't find it ready at home, read this article till the end. The festival season will start in a few days. These days, from the market to the houses, a wide variety of sweets are prepared. Many people do not eat much sweets from the market, as they prefer to prepare all kinds of sweets at home. Making sweets is such an easy task, but many sweets are like that, which require quite a bit of hard work. Among these sweets is immortality. Hot immortals seem quite delicious to eat during the rainy season. You can also prepare it at home. Many people, when they prepare an immortal, do not get the right shape. That's why we tell you about such a trick, after adopting which you can become an immortal like the market at home. Traditional way of making imarti - The first thing to do is to talk about the traditional way of making imarti. A small hole is made between these cloths, through which the batter of immortality is expelled. So if you want to make an immortal in this traditional way, first of all take a thick piece of cloth and then make a hole in the middle. Now fill it with immortal solution. After that, wrap this cloth around on all sides and hold it tightly.Then gently draw the shape of immorti in hot oil embroidery. It's just making it round. When these golden ones are learned, turn around and take them from the other side. This method of making immortality is considered quite difficult. Therefore we will tell you the second way of making immortality.Modern way of making immortality now looking at the second and modern way of making immortality so click here Padegi. You can use a sauce bottle for this. If you want to make emeralds in this bottle first of all, the solution of emeralds is very easily controlled and comes out of this bottle. With its help, rotate the bottle round and round over the embroidery and draw a circle first and then put a wavy design over it. This way of making immorti is considered quite easy.These tips also come to work Whenever you are making immorti, keep in mind that its solution should not be too thick and not too thick. The right solution will help you make immortal easily.

From Samandar to Registan, India's 5 train journeys to miss abroad

Whether you are sitting in a Gujarati train over the sea or on a rotating railway line in the hills of the Himalayas, every train journey offers a unique experience. In this article, we will tell you about 5 most beautiful and exciting train journeys in India, which you must experience once. India is known for its diversity. It is not only the diversity of languages and identities, but also the diversity of natural scenery that one gets to see. India has snow-covered mountains, there are also humid hills, there is the sea, there is Registan. There are forests but there are also lakes and waterfalls. You can enjoy all these spectacular sights during your journey and if these journeys are carried out by Yadgar Railway then the fun of the journey is doubled. Whether you are sitting in a Gujarati train over the sea or on a rotating railway line in the hills of the Himalayas, every train journey offers a unique experience. In this article we will tell you the 5 subs of India from Tamil Nadu to Rameshwaram from Mandapam in Tamil Nadu to Rameshwaram by train gujrati from the sea bridge during the train journey. The exciting journey of 2.2 km of Pamban Bridge offers a wonderful experience. This bridge is built over the sea and when the train passes over it, it looks like the train is floating on water. During this, you can feel a perfect train thrill of the whistling of the wind, the echo of the waves and the speed of the train. Jodhpur to Jaisalmer Thar Express Travel- Jodhpur to Jaisalmer Railway of about 265 km can make your journey fun. The route is called the "Queen of Registan" as it passes through the sandy roads of Thar. The golden sand here, the views of the villages and the glimpses of the camels make for an absolutely cinematic feel. Romantic Monsoon Train Trip from Mumbai to Goa- The train journey from Mumbai to Madgaon, Goa in monsoon will take you close to the beyond of nature. On a journey of 632 km, one can enjoy the western gorges,

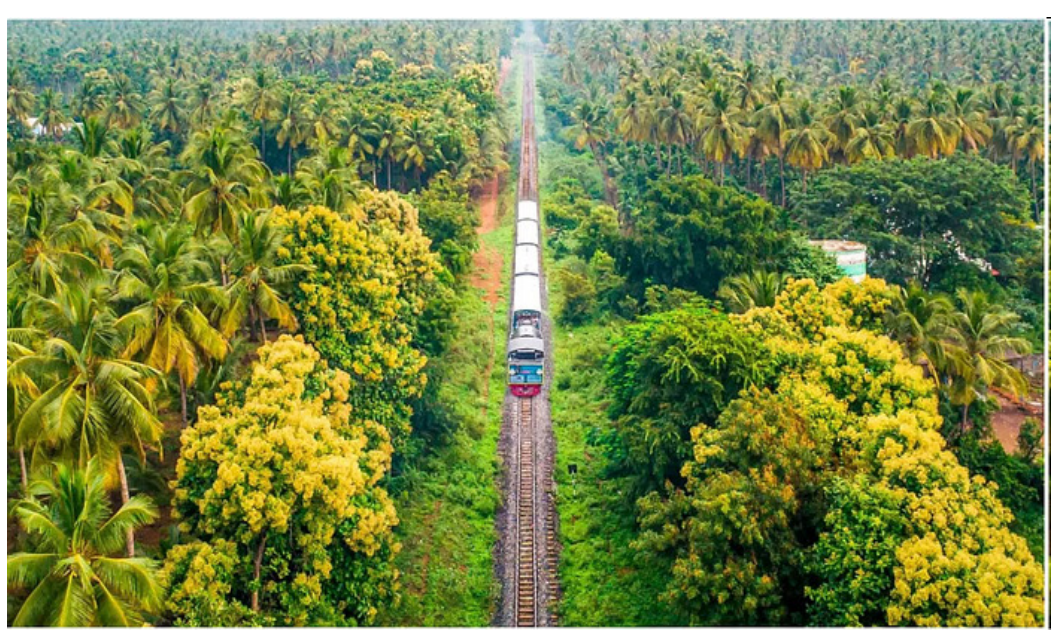

waterfalls and lush greenery, especially in monsoon. Peeking out of the train window, you can see the rivers and greenery in the lap of the mountains.Nilgiri Mountain Railway- Dayra Rail 2 Journey to Ooti from Mettupalayam It is full of nazars. Train travel of this route with family or partner will win heart. It is declared a UNESCO World Heritage route. It is the oldest mountain train in India, powered by a steam engine. Along the way you can enjoy tea plantations, gorge views and classic railway vibes. These Nazars offer a photogenic trip.Shimla from Kalka- If you want to travel that touches the heart of the queen of the Himalayas, take a train journey from Kalka to Shimla. The 96-km journey passes through 103 tunnels and 800 bridges through Gujrati and overlooks snow-capped mountains. As the train climbs towards the height, the cool air and beautiful views win the heart.

नाबालिग लड़की को गांव का युवक लेकर हुआ फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के छाता कलीपुर का मामला है, जहां नाबालिग लड़की को उसी गांव का लड़का करन कुमार पासी नाबालिग लड़की को लेकर फरार हो गया, प्रार्थिनी मुन्नी देवी ने जिसकी सूचना दिनांक 2/7/2025 को थाना मऊआइमा पहुंच कर लिखित तहरीर देकर कारवाई की मांग की है, वहीं पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके करन पासी के साथियों कन्हैया लाल व मुकेश कुमार व अन्नू वह सानू को पुलिस पकड़कर थाने लाई पूछ ताछ की, और पुलिस ने पैसा लेकर आरोपियों को छोड़ दी, वहीं प्रार्थिनी मुन्नी देवी का कहना है हमारी नाबालिग लड़की लापता हुए आज 20 दिन होगया है, अगर हमारी नाबालिग लड़की नहीं मिलेगी तो मैं थाना मऊआइमा पहुंचकर अपने आपको तेल छिड़क कर आत्म हत्या कर लूंगी

घूरपुर पुलिस टीम द्वारा चोरी के भिन्न-भिन्न अभियोगों का अनावरण कर 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना , कब्जे से चोरी के 01 बैटरा, 01 इनवर्टर, 01 ई- रिक्शा, 11 मोबाइल फोन व 8900/- रूपये नगद बरामद थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत 03 अभियोगों 1.मु0अ0सं0 244/2025 धारा 331(4)/ 305ड्ड बीएनएस 2.मु0अ0सं0 250/2025 धारा 331(4)/305ड्ड बीएनएस 3.मु0अ0सं0 251/24 धारा 331(4)/305(ड्ड) बीएनएस से संबंधित 02 वांछित अभियुक्त 1.शिवम शर्मा पुत्र रमाशंकर शर्मा निवासी ग्राम बादलगंज थाना घूरपुर प्रयागराज 2.शाहिल खान पुत्र सराय अकील जनपद इरादतगंज फ्लाई ओवर के के कब्जे से चोरी के 01 बैटरा, 11 मोबाइल फोन व 8900/ कार्यवाही की जा रही हैं । की रात्रि में वादिनी श्रीमती टिकुरी थाना जनेह जनपद रीवा जनपद प्रयागराज के घर में एक एन्ड्रायड मोबाइल अज्ञात पर मु0अ0सं0 244/2025 था । दिनांक 14.07.2025 पोस्ट घूरपुर थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज के घर के अन्दर से एक एन्ड्रायड मोबाइल चोरी होने के संबंध में मु0अ0सं0 250/2025 धारा 331(4)/305ड्ड बीएनएस पंजीकृत किया गया था । तथा दिनांक 18.07.2025 की रात्रि वादी श्री अनिल कुमार तिवारी पुत्र आसाराम तिवारी निवासी ग्राम महुँली कला थाना मेजा जनपद प्रयागराज एवं नविन मिश्रा पुत्र सूबेदार मिश्रा की दुकान से इनवर्टर, बैटरी एवं पैसे चोरी किये गये थे जिसके संबंध में मु0अ0सं0 251/24 धारा 331(4)/305(ड्ड) बीएनएस पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त अभियोगों के अनावरण हेतु थाना घूरपुर की गठित टीमों द्वारा प्रयास किया जा रहा था । जिसके क्रम में दिनांक 20.7.2025 को 02 अभियुक्त 1.शिवम शर्मा उपरोक्त 2.शाहिल खान उपरोक्त को चोरी के 01 बैटरा, 01 इनवर्टर, 01 ई- रिक्शा, 11 मोबाइल फोन व 8900/- रूपये नगद के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर तीनों मुकदमा उपरोक्तों में धारा-317(2)/317(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी है । छताछ का विवरण- अभियुक्तगण शिवम शर्मा उपरोक्त व शाहिल खान उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि हम लोग रात्रि में मौका देखकर दुकानों व घरो में घुसकर चोरी कर लेते है और चोरी करके चोरी का माल चोरी-छिपे बेचकर इससे मिले रूपयों से अपने नशा के शौक को पूरा करते है तथा अपना खर्चा चलाते है । हम लोगों द्वारा दिनांक-08.07.2025 की रात्रि में गौहनिया में एक घर में घुसकर महिला के पर्स से कुछ जेवरात, 2000/- रूपये एवं मोबाइल की चोरी की थी । दिनांक-14.07.2025 की रात्रि में घूरपुर में एक मकान के छत के रास्ते चोरी करने गये थे, लेकिन घर में कुछ नही मिला था, मात्र एक मोबाइल मिला था जिसकी चोरी की थी । तथा दिनांक-17/18.07.2025 की रात्रि में हम लोगो ने नैनी से एक ई-रिक्शा चोरी कर उसी से घूरपुर में दुकान से 02 बैटरा व 02 इन्वर्टर चोरी किया था जिसमें से एक बैटरा व इनवर्टर कबाड़ी को 5000 रूपये में बिक्री कर दिया था और 2500-2500 रूपये आपस में बाट लिये थे । उसी चोरी के ई-रिक्शे से हम दोनो लोग शेष चोरी का माल 01 बैटरा, इनवर्टर और मोबाइल को लेकर जा रहे थे कि पुलिस द्वारा पकड़े गये ।

चोरी की योजना बना रहे 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध के रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर बहराइच के निर्देशन में आज दिनांक 21.07.2025 को उ0नि0 श्री अजेश कुमार, उ0नि0 श्री रवि यादव, आरक्षी शिव प्रसाद यादव, आरक्षी सुग्रीव वर्मा द्वारा चोरी की योजना बनाते हुए दो अभियुक्तगण बबलू सिंह पुत्र वासुदेव सिंह निवासी धांधी कनरखी थाना रामपुर मथुरा जनपद सीतापुर उम्र 45 वर्ष व आफताब पुत्र महताब निवासी महोलीपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच उम्र 35 वर्ष को मोहल्ला बडीहाट निकट तारा महिला इंटर कालेज के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त बबलू उपरोक्त की जमा तलाशी से एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, लोहे की राड, एक अदद टार्च व अभियुक्त आफताब उपरोक्त की जामा तलाशी से एक अदद हथौड़ा , एक अदद रूखानी, एक अदद पेंचकस बरामद हुआ । जिसके सम्बन्ध में उ0नि0 श्री अजेश कुमार द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं 156/25 धारा 313 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कराया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

Arbaaz Khan's wife Shura Khan seen flaunting baby bump, watch viral video

Arbaaz Khan and his wife Shura Khan are soon going to welcome their first child. Today, when Shura Khan appeared in front of the paparazzi in Mumbai, they captured her on their camera. Arbaaz Khan and Shura Khan are going to become parents soon. Today, when Shura Khan stepped out for some work in Mumbai city, the paparazzi captured her cute baby bump on their camera, which is now going viral on social media among fans. Little guest will come in the Khan family According to media reports, Arbaaz Khan and Shura Khan recently shared the good news of their pregnancy. On July 18, Shura was seen flaunting her baby bump in Mumbai. She looked stylish in a pink jumpsuit and black tank top. After greeting the photographers with a light smile, she quickly went inside. Users' reactions After seeing Shura in this look, users on social media are congratulating her on the upcoming little guest. One user wrote, 'You are really shining. Lots of best wishes to you from my side', one user wrote, 'God bless you', one user wrote, 'How nice she is, not pretentious at all, simple but elegant.' Arbaaz and Shura's wedding- Arbaaz and Shura reportedly got married on December 24, 2023 in a private ceremony at Arbaaz's sister Arpita Khan Sharma's house in Mumbai. The ceremony was attended by close people like Salman Khan, Sohail Khan, Salim Khan, Salma Khan, Raveena Tandon. The two met on the sets of a film, where Shura was Raveena Tandon's makeup artist. Arbaaz was first married to Malaika Arora, with whom he has a son, Arhaan Khan. Both of them got divorced in May 2017.

Sangeeta Bijlani's farmhouse vandalized, goods stolen; police started investigation

Today, on July 18, there has been a theft in actress Sangeeta Bijlani's farm house located in Maval in Pune district. A lot of goods have been stolen from Sangeeta's house. A case of theft has come to light in Salman Khan's special friend and Bollywood actress Sangeeta Bijlani's farm house in Pune. A lot of goods have been stolen from her house. Along with this, there has been a lot of vandalism in the house. Know what is the whole matterWhat is the whole matter According to PTI, the incident came to light when Bijlani went to her farmhouse after four months. Her farm house is located in Tikona village near Pavana Dam. Bijlani lodged a complaint with the police after the theft. She told the police that the main door and window grill of the farmhouse were broken. One television was missing and the other was broken. Many items including bed, refrigerator, CCTV cameras were broken and missing. He told that the upper floor was completely scattered and many valuables were also stolen and damaged. Police statement Bijlani said that she was unable to come to the farmhouse due to her father's illness. Senior Inspector Dinesh Tayde of Lonavala Police Station said that a team has been sent to assess the damage. Only after this the whole matter will come to light. Sangeeta Bijlani's career Sangeeta Bijlani is a former Indian actress and model, who won the title of Femina Miss India in 1980. After this, Sangeeta made her Bollywood debut in 1988 with the film 'Kaatil'. She has worked in films like 'Tridev'. Apart from this, Sangeeta is a very good friend of actor Salman Khan. She has often been seen in Salman Khan's family functions.

Khushi Kapoor: Khushi Kapoor gave a frank answer about cosmetic surgery, said- 'Yes I have changed my appearance...'

Nowadays actors get many changes done on their body to look good in the world of cinema. Now actress Khushi Kapoor has reacted to cosmetic surgery. Let's know what she said. In the entertainment world, actors adopt many methods to make themselves look beautiful and attractive on-screen and off-screen. This includes Botox and other cosmetic surgeries that enhance the skin. Now actress Khushi Kapoor has frankly expressed her opinion on this matter. Let's know what the actress said. Khushi Kapoor accepted surgery Recently, Khushi Kapoor expressed her views on cosmetic surgery and physical changes in a conversation with E Times. She said, 'Yes, I have changed my appearance, but everyone thinks that I have done many experiments on myself. I don't think it is such a big deal to get surgery for my look. For me, it is not right to be dishonest about my look with the people around me. There are a lot of influential youth who follow us on the internet. Also, if we don't do anything about our looks, then it is a problem and people will judge you based on your looks. Even if we do something for ourselves, people have a problem.'Khushi Kapoor lives life on her own terms Further in the conversation, the actress said, 'People will say why did she change herself and why didn't she stick to her original look? So, you are not going to win over me in any way. I am going to live my life the way I want. I care about my looks, but I have only made some changes in my face. That's why I spoke openly about them.' Khushi Kapoor's work front- Khushi Kapoor is the daughter of famous actress Sridevi and sister of Janhvi Kapoor. Khushi Kapoor was last seen in the film 'Nadaniyaan', in which Saif Ali Khan's son Ibrahim Ali Khan was also seen. The film was directed by Shauna Gautam.